डॉ. गोस्वामी गिरिधारीलालशास्त्री प्राच्यविद्याप्रतिष्ठानम्

(दिल्ली सरकार)

वार्षिकी

(Annual Report)

2024-25

सम्पादक

डॉ. जीतराम भट्ट

निदेशक

भूखण्डसंख्या-5, झण्डेवालानम्, करोलबागः,

नवदेहली-110005

डॉ. गोस्वामी गिरिधारीलालशास्त्री प्राच्यविद्याप्रतिष्ठानम्

(दिल्ली सर्वकारः)

वार्षिकी

(Annual Report)

2024-25

सम्पादकः

डॉ.जीतराम भट्टः

निदेशकः

कार्यालयः

भूखण्डसंख्या-5, झण्डेवालानम्, करोलबागः,

नवदेहली-110005

वार्षिकी
प्रकाशकः
डॉ.जीतराम भट्टः
निदेशकः
डॉ. गो.गि.ला.शा. प्राच्य विद्या प्रतिष्ठानम्
दिल्ली सर्वकारः
भूखण्डसंख्या–५, झण्डेवालानम्
करोलबागः, नवदेहली–११०००५

© डॉ.गो.गि.ला.शा. प्राच्यविद्याप्रतिष्ठानम्
दिल्ली सर्वकारः

2024-25

मुद्रकः–
एस एण्ड वी सॉल्यूशन
बी–45/6, क्रिश्चन कॉलोनी पटेल चैस्ट,
दिल्ली–110007 फोनः 9717580093

अनुक्रम

विषय	पृ.सं.
प्रतिष्ठान की स्थापना	1
प्रतिष्ठान के उद्देश्य	2
प्रतिष्ठान के कार्यक्रम एवं गतिविधियाँ	5
संस्कृत–विद्यालाय परीक्षाएं	7
संदर्भ ग्रन्थ कोष	8
गुरुकुलों का निरीक्षण	8
प्राच्च विद्याओं पर आधारित शोध कार्य	8
पारदर्शिता एवं लोक शिकाताओं का निवारण	9
प्रतिष्ठान के प्रकाशनों की सूची	10
1. शोध छात्रों के लिए परिचर्चा– 'नई शिक्षा नीति में पारम्परिक संस्कृत विद्यालयों में शिक्षा पद्धति'	11
2. गुरुकुलीय सम्मेलन	13
3. शोध व्याख्यानमाला– 'शास्त्रीय अनुसंधान के महत्त्वपूर्ण आयाम'	15
4. शोध व्याख्यानमाला– 'वर्तमान मे संस्कृत शास्त्रों के अनुसंधान कार्यो की	16
5. शोध व्याख्यानमाला– 'प्रशासन और समाज के मध्य संचार एवं पत्रकारिता की भूमिका''	17
6. सांस्कृतिक कार्यक्रम	19

7. शोध व्याख्यानमाला– आधुनिक संस्कृत साहित्य एवं संचार व पत्रकारिता 20

8. शोध व्याख्यानमाला 22

9. परिचर्चा–संस्कृत पाठचर्या में संगीत एवं नाट्य का महत्त्व' 23

10.संगोष्ठी 'गुरुकुलीय व्यवस्था में प्रशासनिक आवश्यकता' 24

11. वेद–मन्त्र अत्याक्षरी प्रतियोगिता 26

12. संस्कृत व्यवहार शिविर–1 27

13. संस्कृत वाद–विवाद प्रतियोगिता 28

14.व्याकरण सूत्र अन्त्याक्षरी प्रतियोगिता 29

15.श्लोक–अन्त्याक्षरी प्रतियोगिता 30

16.संस्कृत व्यवहार शिविर–2 32

17.संस्कृत भाषण प्रतियोगिता 33

18.संस्कृत व्यवहार शिविर–3 34

19.संस्कृत गीत प्रतियोगिता 36

20. संस्कृत व्यवहार शिविर–4 37

21.प्राच्य विद्या संगोष्ठी 38

22.शोधव्याख्यानमाला 40

23.संस्कृत व्यवहार शिविर–5 41

24. शोध व्याख्यानमाला 42

25. प्रश्न–पत्र–निर्माण–कार्यशाला 44

26.संगोष्ठी–'राष्ट्रीय विकास में गुरुकुलीय शिक्षा–पद्धति' 45

27. परिचर्चा–'प्राच्य विद्याओं में विज्ञान के सूत्र' 47

28. गुरुकुलीय खेल प्रतियोगिता–प्रथम 48

दिवस द्वारा गुरुकुलीय खेल प्रतियोगिता

29. प्राच्य विद्याओं पर आधारित संगोष्ठी 50

30. प्राच्य विद्याओं पर आधारित परिचर्चा 51

31. कार्यक्रमों के छात्राचित्र 52

32.सी.ए. आडिट रिपोर्ट वर्ष 2024–25 58

प्रतिष्ठान की स्थापना

संस्कृत भाषा के महत्त्व को दृष्टि में रखते हुए तथा राष्ट्र की संस्कृति, सभ्यता, भाषा एवं साहित्य के संरक्षण और विकास के प्रति अपने दायित्व को समझते हुए देश व राज्य की सरकारें राष्ट्रीय अखण्डता व भाषायी एकता की प्रतीक संस्कृत भाषा के संरक्षण एवं प्रचार–प्रसार के लिए अधिकाधिक प्रयत्नशील हैं।

भारत की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली होने के कारण दिल्ली सरकार के समस्त चिन्तन का प्रभाव सम्पूर्ण भारत वर्ष पर ही नहीं, अपितु समस्त विश्व पर पड़ता है। राजधानी के इस गरिमामय महत्त्व एवम् उपर्युक्त बिन्दुओं को दृष्टिगत रखते हुए दिल्ली सरकार ने संस्कृत भाषा एवं अन्य प्राचीन भाषाओं में सन्निहित वेद, योग, आध्यात्म, चिकित्सा, साहित्य, संगीत, कला, पुरातत्त्व, वास्तु, सैन्य, गणित, भौतिक, रसायन, कृषि, भूगर्भ, जल, पर्यावरण, अन्तरिक्ष, ध्वनि, व्याकरण, दर्शन आदि समस्त भारतीय ज्ञान–विज्ञान की शिक्षण–व्यवस्था हेतु व उपर्युक्त उद्देश्यों को पूर्ण करने वाली संस्कृत संस्थाओं को सम्बद्धता प्रदान करने हेतु संस्कृत एवं ज्योतिष के पुरोधा विद्वान्, राष्ट्रीय

एवं प्रादेशिक स्तर पर अनेक संस्कृत संस्थाओं के जन्मदाता डॉ0 गोस्वामी गिरिधारी लाल शास्त्री की स्मृति को अक्षुण्ण बनाये रखने की पवित्र भावना से उनके नाम पर दिनांक 'डॉ0 गोस्वामी गिरिधारी लाल शास्त्री प्राच्य विद्या–प्रतिष्ठानम्'' की स्थापना की है, जो संस्कृत के अध्ययन एवं शोधकार्य के प्रचार–प्रसार हेतु निरन्तर प्रयत्नशील है।

दिल्ली सरकार द्वारा कला, संस्कृति एवं भाषा विभाग के अन्तर्गत राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार दिल्ली सचिवालय नई दिल्ली 110002 की अधिसूचना सं एफ 3 (45) दि.सं.अ/2002–2003/1899–1978 दिनांक 03–10–2003 द्वारा अधिसूचित एवं संचालित स्वायत्त संस्था डॉ0 गोस्वामी गिरिधारी लाल शास्त्री प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान की स्थापना की गयी है।

प्रतिष्ठान के उद्देश्य

(1) संस्कृत भाषा एवं अन्य प्राच्य भारतीय भाषाओं में सन्निहित, मन्त्र, योग, अध्यात्म, चिकित्सा, साहित्य, संगीत, कला, पुरातत्त्व, अभिलेख, वास्तु, सैन्य, गणित, संगणक, भौतिक, रसायन, कृषि, पर्यटन, वन, प्राणिविज्ञान, भूगर्भ, जल, पर्यावरण,

काव्यशास्त्र, मनोविज्ञान, दर्शन, सूचना–प्रौद्योगिकी, अन्तरिक्ष, विद्युत, धातु, ध्वनि, व्याकरण, साहित्य आदि समस्त ज्ञान–विज्ञान एवं तकनीकी शिक्षादि समस्त प्राच्य–विद्याओं के अध्ययन एवं अध्यापन, शिक्षण–प्रशिक्षण हेतु परीक्षाओं का संचालन करना तथा तत्सम्बन्धी संकायों की स्थापना करना एवं शिक्षण–व्यवस्था करना। इन उद्देश्यों को पूर्ण करने वाली संस्थाओं को सम्बद्धता प्रदान करना।

(2) प्राच्य एवं आधुनिक वैज्ञानिक एवं अन्य विद्याओं का वैज्ञानिक पद्धति से अध्ययन–अध्यापन करना। साथ ही परम्परागत संस्कृत– पाठशालाओं के पाठ्यक्रमानुसार परीक्षाओं की व्यवस्था एवं उनका संचालन करना और उन्हें सम्बद्धता देना।

(3) संस्कृत–शिक्षा की प्राथमिक, माध्यमिक, स्नातक–स्नातकोत्तर, शोध स्तर की परीक्षाओं को चलाना तथा प्रमाणपत्र एवं उपाधि प्रदान करना। उनकी मान्यता के लिए सभी विश्वविद्यालयों एवं भारत सरकार एवं प्रादेशिक सरकारों से मान्यता प्राप्त करना, दिल्ली सरकार की सेवाओं में इन परीक्षाओं को प्राथमिकता देना।

(4) सभी परीक्षाओं के पाठ्यक्रम में वैज्ञानिक अध्ययन–अध्यापन एवं प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान देना।

(5) सभी परीक्षाओं के लिए पाठ्यक्रम बनाना एवं तत्सम्बन्धी समस्त सामग्री का लेखन, सम्पादन एवं प्रकाशन करना। इस प्रतिष्ठान के माध्यम से निम्नलिखित परीक्षाएं संचालित होगीं। इन्हीं परीक्षाओं को सम्बद्धता दी जायेगी।

प्रतिष्ठान द्वारा भविष्य में संचालित की जाने वाली परीक्षाएँ/उपाधियाँ

(क) प्रथमा (त्रिवर्षीय) मिडिल स्तर
(ख) पूर्वमध्यमा (द्विवर्षीय) दशम कक्षा स्तर
(ग) उत्तरमध्यमा (द्विवर्षीय) द्वादश कक्षा स्तर
(घ) शास्त्री (त्रिवर्षीय) स्नातक स्तर
(ङ) आचार्य (द्विवर्षीय) परास्नातक स्तर
(च) शिक्षा–शास्त्री (दो वर्षीय) बी.एड. स्तर
(छ) शिक्षाचार्य (एक वर्षीय) एम.एड. स्तर
(ज) विद्यावारिधि (द्विवर्षीय) पीएच.डी स्तर
(झ) विद्यावाचस्पति (द्विवर्षीय) डी.लिट्. स्तर

भारत वर्ष में इस प्रकार के सभी संस्थानों में मुख्यतया, इसी रूप में परीक्षाएं एवं पाठ्यक्रम प्रचलित हैं।

स्थिति के अनुसार समय–समय पर पाठ्यक्रम परिवर्तित भी हो सकते हैं।

(6) सभी छात्रों के लिए निर्धारित उद्देश्यों की पूर्ति हेतु पाठ्य–पुस्तक तैयार करना, उसका सम्पादन व प्रकाशन करना, साथ ही विभिन्न प्रकार के संस्कृत–सन्दर्भ–ग्रन्थों को प्रकाशित करना।तत्सम्बन्धी सन्दर्भ–ग्रन्थों का निर्माण एवं प्रकाशनकरना। इस प्रकरण से सम्बन्धित कार्यशालाओं का आयोजन करना।

(7) प्रतिष्ठान के संकायों में पढ़ने वाले छात्रों को छात्रवृत्ति, पुरस्कार, पाठ्यपुस्तकें प्रदान करना, परिस्थिति के अनुसार मेधावी छात्रों को छात्रावास, भोजनादि की व्यवस्था करना। सम्बद्ध संस्कृत–पाठशालाओं के छात्रों को भी उपर्युक्त सुविधाएं प्रदान करना।

(8) प्राच्य एवं अर्वाचीन समस्त साहित्य के ग्रन्थागार के रूप में एक सुसमृद्ध ग्रन्थागार की स्थापना करना।

प्रतिष्ठान के कार्यक्रम एवं गतिविधियाँ

डॉ0 गोस्वामी गिरिधारी लाल शास्त्री प्राच्य विद्या

प्रतिष्ठान दिल्ली सरकार की एक स्वायत्तशासी संस्था है। प्रतिष्ठान द्वारा संस्कृत के प्रचार–प्रसार एवं पारम्परिक संस्कृत–शिक्षा–पद्धति के संरक्षण तथा संस्कृत–विद्यालयों को मान्यता प्रदान करने हेतु प्रतिवर्ष निम्नलिखित कार्यक्रम एवं गतिविधियाँ संचालित किए जाते हैं, जो प्रतिष्ठान की समिति एवं शासी परिषद् द्वारा समय–समय पर निर्धारित नीति के अनुसार सम्पन्न कराए जाते हैं तथा अनुदान राशि की उपलब्धता पर निर्भर करते हैं।

1. संस्कृत व्यवहार शिविर
2. प्रतिष्ठान की गतिविधियों पर कार्यशाला
3. बालोपयोगी संस्कृत पुस्तक निर्माण कार्यशाला
4. संस्कृत–नाट्य प्रतियोगिता
5. संस्कृत गुरुकुलीय खेल प्रतियोगिताएँ
6. संस्कृत नुक्कड़ नाटक
7. गुरुकुलीय शिक्षा–संगोष्ठी
8. प्राच्य विद्याओं पर आधारित परिचर्चा
9. संस्कृत–ग्रन्थ लोकार्पण
10. प्राच्य विद्याओं पर आधारित संगोष्ठी
11. संस्कृत विद्यालयों के छात्रों की वार्षिक परीक्षाएँ
12. संस्कृत–विद्यालयों के शिक्षकों के लिए पुरश्चर्या पाठ्यक्रम

13. छात्रों को प्रमाणपत्र प्रदान करने के लिए दीक्षान्त समारोह
14. प्रतिष्ठान–स्थापना दिवस समारोह
15. पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला
16. संस्कृत छात्र सम्मेलन
17. विविध विषयों पर व्याख्यानमाला
18. जिज्ञासुओं के लिए संस्कृत–शिक्षण–कक्षाएं
19. राज्यस्तरीय संस्कृत प्रतियोगिताएं
20. अखिल भारतीय स्तर की संस्कृत प्रतियोगिताएं
21. प्रतिभावान् छात्रों के लिए छात्रवृत्ति

अनुदान उपलब्ध होने पर इनके अतिरिक्त भी समय–समय पर समिति एवं शासी परिषद् द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का क्रियान्वयन।

संस्कृत–विद्यालयीय परीक्षाएं

प्रतिष्ठान द्वारा सम्बद्ध गुरुकुलों/संस्कृत विद्यालयों में कक्षा प्रथमा प्रथम वर्ष (6) से प्रथमा तृतीय वर्ष (8) तक पढ़ने वाले छात्रों की वार्षिक परीक्षा ली जाती है। जिसमें सभी विषयों के प्रश्नपत्र प्रतिष्ठान द्वारा तैयार किये जाते हैं। यह परीक्षा प्रतिवर्ष मार्च महीने के उत्तरार्ध में आयोजित की जाती है।

सन्दर्भ ग्रन्थ–कोष

प्रतिष्ठान द्वारा कार्यालय–परिसर में ही संस्कृत–पुस्तकों का संग्रह किया गया है।, जिसमें प्रतिष्ठान के प्रकाशन तथा संस्कृत की अन्य पुस्तकें संगृहीत हैं। प्रतिष्ठान के शोध–छात्रों के लिए यह अत्यन्त उपयोगी है

गुरुकुलों का निरीक्षण

प्रतिष्ठान द्वारा सम्बद्ध गुरुकुलों/संस्कृत गुरुकुलों/ संस्कृत विद्यालयों का छात्रावास की व्यवस्था होती है। प्रायः कक्षाएं तिथियों के आधार पर होती हैं। अष्टमी, पौर्णमासी, और अमावस्या कसे अवकाश होता है। प्रतिष्ठान गुरुकुलों की शिक्षण–व्यवस्था का निरीक्षण करता है।

प्राच्य विद्याओं पर आधारित शोध–कार्य(पीएच.डी.)

वर्तमान में प्रतिष्ठान के माध्यम से शोध छात्र (पीएच.डी.)'प्राच्य विद्याओं में संचार एवं पत्रकारिता के सूत्र और सिद्धान्त' विषय पर अनुसन्धान कार्य कर रहे है। जिनके लिए पीएच.डी. प्रमाण पत्र के लिए पंजीकरण माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय संचार एवं पत्रकारिता विश्वविद्यालय भोपाल में किया गया हैं। शोध–कार्य के निर्देशक

प्रतिष्ठान के निदेशक हैं। अनुसन्धान कार्य प्रगति पर है।

पारदर्शिता एवं लोकशिकायतों का निवारण

डॉ0 गोस्वामी गिरिधारी लाल शास्त्री प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान के सभी कार्यक्रमों से सम्बन्धित आवश्यक सूचनाएँ एवं मार्गदर्शन समय–समय पर प्रसारित किये जाते हैं, साथ ही प्रतिष्ठान की गतिविधियों में आम लोगों की और विषय–विशेषज्ञों की भागीदारी, वित्तीय जवाबदेही, लोकशिकायतों के निवारण और पारदर्शिता लाने की दिशा में प्रतिष्ठान द्वारा विभिन्न माध्यमों से उल्लेखनीय प्रयास किये गये हैं। प्रतिष्ठान की गतिविधियों से सम्बन्धित कोई भी आवेदनकर्ता या जिज्ञासु अपनी कठिनाई व शिकायत बताने के लिए निम्नलिखित अधिकारी से सम्पर्क कर सकते हैं।

अधिकारी का नाम	पद	दूरभाष
डॉ0 जीतराम भट्ट	निदेशक	23520859

प्रतिष्ठान के प्रकाशनों की सूची

क्र.सं.	प्रकाशनों का विवरण	मूल्य (रुपये)
1.	नियमावली	70
2.	पाठ्यक्रम (प्रथमापरीक्षा से आचार्यपरीक्षा तक)	100
3.	पाठ्यक्रम (प्रथमापरीक्षा से उत्तरमध्यमापरीक्षा तक)	50
4.	पाठ्यक्रम (शास्त्रीपरीक्षा से आचार्यपरीक्षा तक)	50
5.	पाठ्यक्रम (शिक्षाशास्त्रीपरीक्षा)	50
6.	व्याकरणकौमुदी (प्रथमो भागः)	200
7.	व्याकरणकौमुदी (द्वितीयो भागः)	320
8.	व्याकरणकौमुदी (तृतीयो भागः)	400
9.	वाक्यरचनाप्रदीपः (प्रथमो भागः)	80
10.	वाक्यरचनाप्रदीपः (द्वितीयो भागः)	80
11.	साहित्यमंजरी (प्रथमो भागः)	75
12.	साहित्यमंजरी (द्वितीयो भागः)	80
13.	साहित्यमंजरी (तृतीयो भागः)	100
14.	भारतीयविज्ञानचन्द्रिका (प्रथमो भागः)	90
15.	भारतीयविज्ञानचन्द्रिका (द्वितीयो भागः)	100
16.	भारतीयविज्ञानचन्द्रिका (तृतीयो भागः)	170
17.	स्वयमेव संस्कृतशिक्षणम्	150
18.	संस्कृत स्वाध्यायनम्	150
19.	संस्कृत शिक्षण काव्यम्	150
20.	संस्कृत वाग्–व्याहरणम्	150
21.	संस्कृत गीत निर्झरिणी	100

प्रतिष्ठान की गतिविधियां

1.परिचर्चा–'नई शिक्षा नीति में पारम्परिक संस्कृत विद्यालयों की षिक्षा पद्धति'

डॉ.गो.गि.ला.शा. प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, दिल्ली सरकार द्वारा शोध छात्रों के लिए एक परिचर्चा दिनांक 09–06–2024 को प्रतिष्ठान के संगोष्ठी कक्ष प्लाट नं.–5, झण्डेवालान, करोगबाग, नई दिल्ली में आयोजित किया गया। उक्त परिचर्चा में प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय, पूर्व कुलपति, श्रीलाल बहादुर शास्त्री केन्द्रीय संस्कृत विश्व विद्यालय, आचार्य रोहित राज पंत प्राचार्य, श्रीरामऋषि संस्कृत महाविद्यालय, कराला, डॉ.कृष्ण चन्द्र पाण्डेय, प्रोफेसर संस्कृत महर्षि वाल्मीकी विश्वविद्यालय, कैथल एवं प्रतिष्ठान के निदेशक डॉ. जीतराम भट्ट उपस्थित हुए। इस परिचर्चा में प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि हमारी संस्कृति, ज्ञान विज्ञान एवं धरोहर संस्कृत भाषा है। नई शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परम्परा पर विशेष बल दिया गया है। प्रसन्नता का विषय है कि दिल्ली सरकार की डॉ0 गो0 गि0 ला0 शा0 प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान दिल्ली के गुरुकुलों की

परीक्षाओं के संचालन के लिए प्रारम्भ की गयी है साथ ही पत्रकारिता विषय पर शोध कार्य चल रहा है। प्रतिष्ठान का मुख्य उद्देश्य प्राच्य विद्याओं के प्रचार–प्रसार का कार्य है। इस संगोष्ठी में प्रतिष्ठान के निदेशक डॉ0 जीतराम भट्ट ने कहा कि भारत प्राचीन काल से ही विश्व का शिक्षा का केन्द्र रहा है। भारत में प्राचीन काल से ही शिक्षा के लिये अनेक विश्वविद्यालय थे जिसमें तक्षशिला, विक्रमशिला, नालन्दा, पुष्पगिरि आदि प्रमुख थे। इन विश्वविद्यालयों में देश–विदेश के छात्र शिक्षा ग्रहण करने आते थे। डॉ0 गो0 गि0 ला0 शा0 प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान प्रत्येक वर्ष प्राच्य विद्याओं के प्रचार–प्रसार के लिए कार्यक्रमों का आयोजन करती है। जिससे समाज के प्रत्येक वर्ग तक प्राच्य विद्याओं के बारे में अधिक से अधिक जानकारी पहुँच सके। जिसमें पत्रकारिता एक मुख्य साधन है जिसके माध्यम से जन–सामान्य तक पहुँचा जा सकता है। प्राच्य विद्याओं में संस्कृत भाषा भारतीय संस्कृति का आधार, संस्कृत सभी को साथ लेकर चलने वाली समस्त मानव के कल्याण की भाषा है। संस्कृत भाषा अनेकता में एकता का सन्देश सदियों से देती आयी है। यह भाषा मानव सभ्यता के प्राचीनतम इतिहास से जुड़ी है। इस परिचर्चा में संस्कृत के आचार्य रोहित राज पंत प्राचार्य ने कहा कि

साहित्य में शब्द एवं अर्थ का विशेष महत्त्व है। संस्कृत साहित्यों एवं हिन्दी साहित्यों में सदाचार पर लेखन में लगभग एक समानता है। सस्कृत साहित्य अनादि काल से लिखित रूप में है। हमारे प्राच्य विद्याओं में संस्कृत भाषा का सहित्य अनेक अमूल्य ग्रन्थों का सागर है। इतना समृद्ध साहित्य किसी भी दूसरी भाषा में नहीं है और न ही किसी अन्य भाषा की परम्परा अविच्छिन्न प्रवाह के रूप में इतने दीर्घ काल तक चल पाई है। संस्कृत भाषा अति प्राचीन होने पर भी इस भाषा में शब्द निर्माण की क्षमता सबसे प्रबल है।

2. गुरुकुलीय सम्मेलन

डॉ.गो.गि.ला.शा. प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, दिल्ली सरकार द्वारा गुरुकुलों में नये प्रवेश पाने वाले छात्रों के लिए, गुरुकुलीय सम्मेलन' दिनांक 30–06–2024 को हिन्दी भवन, विष्णु दिगम्बर मार्ग, आई.टी.ओ, नई दिल्ली 110002 में आयोजित किया गया। उक्त सम्मेलन में श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ के वास्तु शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी मुख्य अतिथि के रूप में एवं डॉ. भास्करानन्द पाण्डेय पूर्व प्राचार्य, शिक्षा निदेशालय, दिल्ली सरकार, श्री हरिकृष्ण शर्मा

अध्यक्ष, श्री हरिहर ट्रस्ट दिल्ली, श्री राकेश कौशिक, प्रबन्धक, महर्षि वेदव्यास विद्यापीठ, बक्करवाला, श्री अमित पाण्डेय प्राचार्य, सनातन वेद गुरुकुलम् नेहरू नगर, दिल्ली श्री शिव चरण रणाकोटी प्राचार्य, जयराम संस्कृत वेद विद्यालय, हरि नगर, दिल्ली विशिष्ट अतिथि के रूप में एवं प्रतिष्ठान के निदेशक डॉ. जीतराम भट्ट उपस्थित हुए। इस गुरुकुलीय सम्मेलन में प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी ने कहा कि कहा कि प्राच्य विद्याओं में संस्कृत भारतीय संस्कृति का आधार है। संस्कृत में अनेक प्रकार के विषयों का समावेश है। युवा छात्र–छात्राओं को संस्कृत से जोड़ने के लिए इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन कर प्रतिष्ठान महत्त्वपूर्ण कार्य कर रही है। डॉ. भास्करानन्द पाण्डेय ने बताया कि'गुरुकुलीय शिक्षा हमारे देश की प्राचीन शिक्षा पद्धति है जिसमें पढ़कर विधार्थी प्राच्य विद्याओं का ज्ञान अर्जित करता हुआ अपनी संस्कृति से भी परिचित होता है। श्री हरिकृष्ण शर्मा ने बताया कि दिल्ली सरकार की डॉ. गो.गि.ला.शा.प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान दिल्ली के गुरुकुलों की परीक्षाओं के संचालन के लिए प्रारम्भ की गयी है। जिसका मुख्य उद्देश्य प्राच्य विद्याओं के प्रचार–प्रसार का कार्य है। श्री राकेश कौशिक ने बताया कि संस्कृत आज भी विश्व की अनेक प्राचीन एवं नवीन भाषाओं की जननी है। श्री अमित पाण्डेय

प्राचार्य बताया कि संस्कृत साहित्य अनादि काल से लिखित रूप में है प्राच्य विद्याओं में संस्कृत भाषा का साहित्य किसी भी दूसरी भाषा में नहीं है इन साहित्यों को गुरुकुलों में छात्रों को शिक्षित किया जाता है। श्री शिव चरण रणाकोटी ने संस्कृत में अनेक प्रकार के विषयों का समावेश है। युवा छात्र–छात्राओं को संस्कृत से जोड़ने के लिए इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन कर प्रतिष्ठान महत्त्वपूर्ण कार्य कर रही है। इस अवसर पर डॉ0 गो0 गि0 ला0 शा0 प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान के निदेशक डॉ0 जीतराम भट्ट ने कहा कि संस्कृत आज भी विश्व की अनेक प्राचीन एवं नवीन भाषाओं की जननी है।

3.'शास्त्रीय अनुसंधान के महत्त्वपूर्ण आयाम' विशय पर भाोध व्याख्यानमाला–

डॉ.गो.गि.ला.शा. प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, दिल्ली सरकार द्वारा 'शोध छात्रों के लिए परिचर्चा' विषय पर एक परिचर्चा दिनांक 20–07–2024 को प्रतिष्ठान के संगोष्ठी कक्ष प्लाट नं.–5, झण्डेवालान, करोलबाग, नई दिल्ली में आयोजित किया गया। उक्त सम्मेलन में श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ के वास्तु शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी,दिल्ली

सरकार के पूर्व अधिकारी श्री राकेश सिन्हा अतिथि के रूप में एवं प्रतिष्ठान के निदेशक डॉ.गो.गि.ला.शा. प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, दिल्ली सरकार डॉ. जीतराम भट्ट उपस्थित हुए। इस संगोष्ठी में प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी ने कहा कि 'संस्कृत शास्त्रों में अनुसंधान के लिए कई आयाम हैं प्रश्नात्मक शैली उनमें महत्त्वपूर्ण है। जिससे हम इन पर आधारित शैली के माध्यम से अपने प्राचीन संस्कृत शास्त्रों पर सूक्ष्म रूप से विश्लेषण कर ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं। श्री राकेश सिन्हा ने बताया शोध संस्कृत छात्रों के लिए कई अवसर है जिससे हम अपने शास्त्रों में निहित उपयोगी ज्ञान के कोश को प्राप्त कर सकते है।

4. शोध व्याख्यानमाला– 'वर्तमान मे संस्कृत शास्त्रों के अनुसंधान कार्यो की उपयोगिता'

डॉ.गो.गि.ला.शा. प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, दिल्ली सरकार द्वारा 'शोध छात्रों के लिए परिचर्चा' विषय पर एक परिचर्चा दिनांक 27–07–2024 को प्रतिष्ठान के संगोष्ठी कक्ष प्लाट नं.–5, झण्डेवालान, करोगबाग, नई दिल्ली में आयोजित कीया गयी। उक्त सम्मेलन में दिल्ली शिक्षा निदेशालय , दिल्ली सरकार, के संस्कृत

प्रवक्ता शंकर दत्त पाण्डेय, विश्व जागृति मिशन इन्टरनेशनल योगा स्कूल के प्राचार्य डॉ हिमाशु रतूड़ी, अतिथि के रूप में एवं प्रतिष्ठान के निदेशक डॉ.गो.गि.ला.शा. प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, दिल्ली सरकार जीतराम भट्ट उपस्थित हुए। डॉ. शंकर दत्त पाण्डेय वर्तमान में संस्कृत शास्त्रों कें अनुसंधान कार्यो की उपयोगिता के विषय पर बताया कि समाज संस्कृत शास्त्रों को पढ़कर अपने प्राचीन संस्कृति, धार्मिक गाथाओं को जान सकते है आज के समाज को संस्कृत शास्त्रों के ज्ञान की बहुत आवश्यकता है। डॉ. हिमाशु रतूड़ी ने बताया कि संस्कृत शास्त्र में अनुसंधान कि उपयोगिता है जिसमें अनेक प्रकार के विषयों का समावेश है। युवा छात्र–छात्राओं को संस्कृत शास्त्र से जोड़ने के लिए इस प्रकार के अनुसंधान कार्य को कर प्रतिष्ठान महत्त्वपूर्ण कार्य कर रहा है।

5.शोध व्याख्यानमाला– 'प्रशासन और समाज के मध्य संचार एवं पत्रकारिता की भूमिका'

डॉ.गो.गि.ला.शा. प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, दिल्ली सरकार द्वारा प्रशासन और समाज के मध्य संचार एवं पत्रकारिता की भूमिका विषय पर शोध–व्याख्यानमाला का वर्तमान में संस्कृत शास्त्रों के

अनुसंधान कार्यों की उपयोगिता विषय पर शोध व्याख्यानमाला का दिनांक 10–08–2024 को प्रतिष्ठान के संगोष्ठी कक्ष प्लाट नं.–5, झण्डेवालान, करोगबाग, नई दिल्ली में आयोजित किया गया। उक्त सम्मेलन में दिल्ली शिक्षा निदेशालय, दिल्ली सरकार, के संस्कृत प्रवक्ता 'डॉ.शंकर दत्त पाण्डेय, स्वामी सर्वानन्द संस्कृत वेद विद्यालय, आराम बाग, दिल्ली के प्राचार्य डॉ.मनमुदित नारायण शुक्ला एवं प्रतिष्ठान के निदेशक डॉ.गो.गि.ला.शा. प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, दिल्ली सरकार डॉ. जीतराम भट्ट उपस्थित हुए। डॉ. शंकर दत्त पाण्डेय ने बताया कि संचार के विभिन्न रूप, जिसमें जनसंचार माध्यमों में संदेश शामिल हैं, समाज को आकार और संरचना प्रदान करते हैं। इसके अतिरिक्त, जनसंचार माध्यम दुनिया भर में सांस्कृतिक ज्ञान और कलात्मक कार्यों का प्रसार कर सकते हैं। डॉ.मनमुदित नारायण शुक्ला ने कहा जनसंचार समाज और संस्कृति दोनों को प्रभावित करता है। अलग–अलग समाजों में अलग–अलग मीडिया सिस्टम होते हैं, और कानून द्वारा उन्हें जिस तरह से स्थापित किया जाता है, वह समाज के काम करने के तरीके को प्रभावित करता है। जीतराम भट्ट ने बताया किसी भी अन्य क्षेत्र की तुलना में जनसंचार का क्षेत्र संस्कृति का संचार करता है। साथ

ही, यह संस्थागत समाज को खुद को समझने और यह जानने में मदद करता है कि क्या इसकी संरचनाएँ काम कर रही हैं।

6.स्वतंत्रता दिवस एवं संस्कृत दिवस के उपलक्ष्य में गुरुकुलीय छात्रों के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम

डॉ.गो.गि.ला.शा. प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, दिल्ली सरकार द्वारा स्वतंत्रता दिवस एवं संस्कृत दिवस के उपलक्ष्य में गुरुकुलीय छात्रों के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम' का दिनांक 17–08–2024 को श्रीराम ऋषि संस्कृत महाविद्यालय, कराला दिल्ली में आयोजित किया गया। उक्त परिचर्चा में डॉ. भास्करानंद पाण्डेय, पूर्व प्राचार्य, शिक्षा निदेशालय सरकार, दिल्ली, आचार्य रोहित राज पंत प्राचार्य, श्रीरामऋषि संस्कृत महाविद्यालय, कराला, एवं प्रतिष्ठान के निदेशक डॉ. जीतराम भट्ट उपस्थित हुए। डॉ. भास्करानंद पाण्डेय ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस एवं संस्कृत दिवस के उपलक्ष्य में गुरुकुलीय छात्रों के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम द्वारा स्वतंत्रता एवं संस्कृत के महत्त्व को विस्तार से बताया आचार्य रोहित राज पंत प्राचार्य संस्कृत दिवस भारतीय भाषा, संस्कृति, सभ्यता और ज्ञान

की परंपराओं को याद करने के इरादे से मनाया जाता है। संस्कृत दिवस मनाने का उद्देश्य संस्कृत भाषा के महत्त्व और इसके गौरवशाली इतिहास और भविष्य के बारे में जागरूकता फैलाना है, साथ ही इसे बनाए रखना और फैलाना भी है। डॉ. जीतराम भट्ट ने बताया संस्कृत को भाषाओं की जननी माना जाता है, यह प्राचीन भारतीय ग्रंथों की प्राथमिक भाषा थी। श्रावणी के दिन संस्कृत–दिवस होता है। इस दिन कई साहित्यिक, शैक्षिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

7. शोध व्याख्यानमाला–'आधुनिक संस्कृत साहित्य एवं संचार व पत्रकारिता

डॉ.गो.गि.ला.शा. प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, दिल्ली सरकार द्वारा आधुनिक संस्कृत साहित्य एवं संचार व पत्रकारिता विषय पर शोध व्याख्यानमाला का दिनांक 31–08–2024 को प्रतिष्ठान के संगोष्ठी कक्ष प्लाट नं.–5, झण्डेवालान, करोगबाग, नई दिल्ली में आयोजित किया गया। उक्त शोध–व्याख्यानमाला में दिल्ली शिक्षा निदेशालय, दिल्ली सरकार, के संस्कृत प्रवक्ता शंकर दत्त पाण्डेय, संस्कृत प्रवक्ता, रामजस पब्लिक स्कूल, पूसा रोड़ डॉ. युवराज

भट्टराई,सर्तकता विभाग, दिल्ली सरकार के पूर्वउपनिदेशक श्री राकेश सिन्हा अतिथि के रूप में एवं प्रतिष्ठान के निदेशक डॉ.गो.गि. ला.शा. प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, दिल्ली सरकार जीतराम भट्ट उपस्थित हुए। डॉ. शंकर दत्त पाण्डेय ने बताया संस्कृत पत्रकारिता का विकास प्राचीन काल से लेकर आधुनिक समय तक एक लंबी यात्रा रही है। यह केवल समाचार संप्रेषण का माध्यम नहीं बल्कि सांस्कृतिक, सामाजिक और बौद्धिक चेतना का संवाहक भी रही है। भारत में संस्कृत पत्रकारिता का प्रारंभ धार्मिक व दार्शनिक विषयों से हुआ, लेकिन आधुनिक युग में इसकी भूमिका विस्तृत हो गई है। तकनीकी प्रगति के बावजूद, संस्कृत पत्रकारिता को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। युवराज भट्टराई ने बताया कि , स्वतन्त्रता–संग्राम की एक विशिष्ट उपलब्धि है। नवीन विचारों के सूत्रपात और राष्ट्रीयता की वृद्धि में इस ने अभूतपूर्व योगदान किया है । शोध से ये तथ्य सामने आया है कि ईस्वी सन् १८३२ में बंगाल की एशियाटिक सोसाइटी ने अंग्रेजी और संस्कृत में एक द्विभाषी शोध–पत्रिका प्रकाशित की थी जीतराम भट्ट ने बताया पत्रकारिता को व्यावहारिक रूप में राष्ट्र की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए संस्कृत–कर्मी दिन–रात अथक प्रयास कर रहे जिससे आधुनिक

युग में इसकी भूमिका विस्तृत हो गई है।

8.शोध व्याख्यानमाला–'शोध–अनुसंधान के सम्बन्ध में संस्कृत वाङ्मय का दिग्दर्शन

डॉ.गो.गि.ला.शा. प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, दिल्ली सरकार द्वारा शोध–अनुसंधान के सम्बन्ध में संस्कृत वाङ्मय का दिगदर्शन विषय पर शोध–व्याख्यानमाला दिनांक 07–09–2024 को प्रतिष्ठान के संगोष्ठी कक्ष प्लाट नं.–5, झण्डेवालान, करोबाग, नई दिल्ली में आयोजित किया गया। उक्त शोध–व्याख्यानमाला में दिल्ली शिक्षा निदेशालय, दिल्ली सरकार, के संस्कृत प्रवक्ता डॉ. राहुल जमलोकी, संस्कृत प्रवक्ता, दिल्ली विश्वविद्यालय, डॉ. प्रेम देवली,संस्कृत प्रवक्ता, दिल्ली विश्वविद्यालय एवं प्रतिष्ठान के निदेशक डॉ.गो.गि.ला.शा. प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, दिल्ली सरकार जीतराम भट्ट उपस्थित हुए। डॉ. राहुल जमलोकी ने बताया कि सभी भाषाओं के अध्ययन के लिए भाषा विज्ञान का प्रारम्भ संस्कृत भाषा से ही होता है। भारतीय ही नहीं समस्त विश्व की भाषाओं को जोड़ने वाली यानि कोई भाषा है तो वह निःसंदेह संस्कृत भाषा है।

डॉ. प्रेम देवली ने बताया संस्कृत भाषा भारतीय संस्कृति का

आधार है संस्कृत सभी को साथ लेकर चलने वाली, समस्त मानव के कल्याण की भाषा है। संस्कृत भाषा अनेकता में एकता का सन्देश सदियों से देती आयी है।

डॉ. जीतराम भट्ट ने इस संगोष्ठी विषय पर कहा संस्कृत में वर्णित ज्ञान, विज्ञान से ही भारतीय संस्कृति संस्कार एवं संस्कृत भाषा विश्व में सबसे प्राचीन एवं आज भी सबसे अहम भाषा है।

9. परिचर्चा–'संस्कृत पाठचर्या में संगीत एवं नाट्य का महत्त्व'

डॉ.गो.गि.ला.शा. प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, दिल्ली सरकार द्वारा 'संस्कृत पाठचर्चा में संगीत एवं नाट्य का महत्त्व' विषय पर एक परिचर्चा दिनांक 28–09–2024 को प्रतिष्ठान के संगोष्ठी कक्ष प्लाट नं.–5, झण्डेवालान, करोगबाग, नई दिल्ली में आयोजित किया गया। उक्त परिचर्चा में श्री जितेन्द्र सिंह, संगीत शिक्षक, श्रीमती सीमा वर्मा एवं प्रतिष्ठान के निदेशक डॉ. जीतराम भट्ट उपस्थित हुए श्री जितेन्द्र सिंह ने बताया है। संगीत का सभी की जिन्दगी में बहुत महत्त्व है। हर मानव को मानवतीया उसके संगीत का ज्ञान

बनाता है। संगीत को समझना, उसे महसूस करना हमें अज्ञानता से ज्ञान की ओर लेकर जाता है और नाट्य को संस्कृत में प्रस्तुत करने से संस्कृत पठित छात्रों को अपनी बात और स्पष्ट ढंग से पेश कर सकेगें तथा संस्कृत का भी विस्तृत होगा। श्रीमती सीमा वर्मा ने कहा संस्कृत पाठ्यक्रम में संगीत एवं नाट्य अवश्य होना चाहिए संगीत का ज्ञान सभी छात्रों को होने से, छात्रो की इच्छा संगीत में होने लगेगी और आगे चलकर संगीत में ही अपना करियर बनायेगें।

डॉ. जीतराम भट्ट ने बताया संस्कृत पाठ्यचर्चा में संगीत और नाट्य होगे तो बच्चे अपने रुचि इन विषय पर होने से अधिक अंक प्राप्त कर सकेगें। क्योंकि सभी छात्रों की इच्छा रखने वालों अपने मनपंसदीदा विषय का चुनाव कर सकते है।

10.संगोष्ठी—'गुरुकुलीय व्यवस्था में प्रशासनिक सतकर्ता की आवश्यकता'

डॉ.गो.गि.ला.शा. प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, दिल्ली सरकार द्वारा 'गुरुकुलीय व्यवस्था में प्रशासनिक सतकर्ता की आवश्यकता' विषय पर एक संगोष्ठी दिनांक 26—10—2024 को प्रतिष्ठान के

संगोष्ठी कक्ष प्लाट नं.–5, झण्डेवालान, करोगबाग, नई दिल्ली में आयोजित किया गया। उक्त संगोष्ठी में प्रो. भगवान सहाय,प्रोफेसर, तिबिया आयुर्वेदिक कालेज,दिल्ली, जितेन्द्र सिंह संगीत शिक्षक, एवं प्रतिष्ठान के निदेशक डॉ. जीतराम भट्ट उपस्थित हुए। संगोष्ठी में प्रो. भगवान सहाय ने बताया कि गुरुकुल में सभी विधार्थी अनुशासन में रहकर अपने दिनचर्या के सभी आवश्यक कार्य को करें। गुरुकुल में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को कुछ महत्त्वपूर्ण नियमों का पालन, सुव्यवस्थित जीवनशैली, सादा जीवन, अनुशासन और सेवाभाव शामिल है। श्री जितेन्द्र सिंह ने बताया कि गुरुकुल के शिक्षकों और विद्यार्थियों को गुरुकुल के सभी नियमों और विनियमों का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए। प्रतिष्ठान के निदेशक डॉ. जीतराम भट्ट ने बताया कि गुरुकुलों का प्रशासन सख्त होना चाहिए। गुरुकुल में विद्यार्थी और शिक्षकों को अनुशासित जीवन जीना चाहिए। गुरुकुल में जीवन कठिन परिश्रम और अनुशासन से भरा होता है। साथ ही यह विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में भी सहायक होता है और उन्हें सही मार्ग पर चलने का मार्गदर्शन भी देता है।

11.वेद–मन्त्र अत्याक्षरी प्रतियोगिता

डॉ.गो.गि.ला.शा. प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, दिल्ली सरकार द्वारा 'वेद–मन्त्र अत्याक्षरी प्रतियोगिता दिनांक 9–11–2024 को स्वामी सर्वानन्द वेद संस्कृत वेद विद्यालय, आरामबाग, पहाड़गंज, नई दिल्ली में आयोजित किया गया। उक्त प्रतियोगिता में डॉ. प्रवीण ममगाई, संस्कृत प्रवक्ता, विश्वविद्यालय और श्री शेष कुमार झा, संस्कृत प्रवक्ता, दिल्ली शिक्षा निदेशालय, श्री कालीकान्त झा संस्कृत प्रवक्ता, दिल्ली शिक्षा निदेशालय, एवं उपस्थित रहे प्रतिष्ठान के निदेशक डॉ. जीतराम भट्ट । डॉ. प्रवीण ममगाई ने कहा कि गुरुकलीय छात्रों के लिए इस प्रकार की प्रतियोगिता छात्रों के लिए इस प्रकार की प्रतियोगिता से वेदमन्त्र के अध्ययन का अभ्यास होता है श्री शेष कुमार झा ने कहा प्रतियोगिता से विधार्थियों को उत्साह होता है। डॉ. कालीकान्त झा ने बताया कि प्रतियोगिता जैसे कार्यक्रमों का आयोजन कर प्रतिष्ठान महत्त्वपूर्ण कार्य कर रही है।

प्रतियोगिता में उपस्थित डॉ. जीतराम भट्ट ने बताया प्रतियोगिता को गुरुकुल में आयोजित करने का उद्देश्य विधार्थी के आत्मविश्वास को बढ़ाना तथा अपनी विद्या को आने वाले समय पर

अन्तराष्ट्रीय स्तर पर शोभित करना।

12.दस दिवसीय संस्कृत व्यवहार शिविर–1 संस्कृत व्यवहार शिविर–1

डॉ.गो.गि.ला.शा. प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, दिल्ली सरकार द्वारा ' दस दिवसीय संस्कृत व्यवहार शिविर–1 दिनांक 15–11–2024 से 24–11–2024 तक लाला उमराव सिंह बराठी संस्कृत वैदिक गुरुकुल, किशन गंज,गौशाला, रेलवे फाटक किशनगंज, दिल्ली–110007 में किया गया। उक्त शिविर में संस्कृत शिक्षक सूर्य प्रकाश नौटियाल, श्री निवास सेवा न्यास ट्रस्ट के अध्यक्ष स्वामी जनार्दनाचार्य एवं प्रतिष्ठान के निदेशक डॉ. जीतराम भट्ट उपस्थित हुए। सूर्य प्रकाश नोटियाल ने शिक्षक के रूप में दस दिवस तक शिविर का कार्यभार संभाला। शिविर उद्घाटन समारोह में अतिथि के रूप में उपस्थित स्वामी जनार्दनाचार्य ने कहा संस्कृत व्यवहार शिविर के माध्यम से आम बोल–चाल की भाषा के रूप में संस्कृत का उपयोग करने पर अधिक बल दिया। प्रतिष्ठान के निदेशक डा. जीतराम भट्ट ने शिविर की उपयोगिता के विषय में बताया और दैनिक जीवन में संस्कृत भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला

13.संस्कृत वाद–विवाद प्रतियोगिता

डॉ.गो.गि.ला.शा. प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, दिल्ली सरकार द्वारा संस्कृत वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 16–11–2024 को श्रीजयराम संस्कृत वेद विद्यालय, 109 हरि नगर आश्रम, मथुरा रोड, नई दिल्ली–110014 में किया गया। उक्त प्रतियोगिता में विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री लाल बहादुर शास्त्री केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय प्रो. महेश सिलोड़ी,, प्राचार्य, जयराम संस्कृत वेद विद्यालय, हरि नगर, दिल्ली, श्री शिवचरण राणाकोटी, एवं डॉ. शंकर दत्त पाण्डेय, प्रवक्ता– संस्कृत, सरकार, पूर्वप्राचार्य, दिल्ली शिक्षा निदेशालय, दिल्ली, डॉ. यतीन्द्र कुमार शर्मा, दिल्ली शिक्षा निदेशालय, दिल्ली श्री सूर्य प्रकाश नौटियाल, संस्कृत प्रवक्ता निर्णायक के रूप में प्रतिष्ठान के निदेशक डॉ. जीतराम भट्ट उपस्थित हुए। प्रो. महेश सिलोड़ी ने संस्कृत वाद–विवाद प्रतियोगिता के विषय में बताया संस्कृत में वर्णित ज्ञान–विज्ञान से ही भारतीय संस्कृति, संस्कार एवं संस्कृत भाषा विश्व में सबसे प्राचीन एवं आज भी अहम भाषा है। श्री शिवचरण रणाकाटी ने कहा भारत को विश्व में भारतीयों के आदर्श मूल्यों के कारण ही जाना जाता है। ये मूल्य हमारी संस्कृति में संस्कृत

साहित्यों में निहित ज्ञान से ही आये है। डॉ. शंकर दत्त पाण्डेय जी ने कहा संस्कृत भाषा का प्रचार प्रसार करने का बहुत प्रभावी मार्ग है। डॉ. यतीन्द्र कुमार शर्मा ने निर्णायक के रूप में संस्कृत में वाद–विवाद प्रतियोगिता के विषय में अपने विचार प्रकट किये कि संस्कृत भाषा का आम जीवनचर्या में भी प्रयोग करना चाहिए डॉ. सूर्य प्रकाश नौटियाल ने वाद–विवाद प्रतियोगिता में बताया प्रतियोगिता से गुरुकुलियों नवीन छात्रों में संस्कृत के प्रति अधिक रुचि बढ़ेगी एवं विधार्थी स्वंय को इस विषय में अग्रसित करेगें।

14.व्याकरण सूत्र अन्त्याक्षरी; प्रतियोगिता

डॉ.गो.गि.ला.शा. प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, दिल्ली सरकार द्वारा व्याकरण सूत्र अन्त्याक्षरी; प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 23–11–2024 को श्रीनिवास संस्कृत विद्यापीठ,174,रामानुज मार्ग, इब्राहिमपुर, बुराड़ी, दिल्ली में किया गया। डॉ. प्रवीण ममगाई, उक्त प्रतियोगिता में संस्कृत–प्रवक्ता, दिल्ली विश्वविद्यालय डॉ शंकर दत्त पाण्डेय, प्रवक्ता–संस्कृत,दिल्ली शिक्षा निदेशालय, दिल्ली सरकार, डॉ. सुनील जोशी,प्रवक्ता, हिन्दू महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय , को निर्णायक के रूप में एवं श्रीनिवास सेवा

न्यास टस्ट के अध्यक्ष, स्वामी जनार्दनाचार्य, , श्रीनिवास संस्कृत विद्यापीठ, बुराड़ी के प्रबन्धक, श्री रविन्द्र शुक्ला विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे प्रतिष्ठान के निदेशक डॉ. जीतराम भट्ट उपस्थित हुए डॉ. प्रवीण ममगाई ने बताया प्रतिष्ठान संस्कृत के प्रचार–प्रसार के लिए नवीन आयाम खोज रहा है।

स्वामी जनार्दनाचार्य ने बताया संस्कृत में व्याकरण सूत्र को गुरुकुलीय छात्र याद करते रहे इसको ध्यान में रखते हुए प्रतियोगिता का आयोजन हुआ श्री रविन्द्र शुक्ला जी ने कहा प्रतियोगिता में संस्कृत भाषा अति प्राचीन होने पर भी इस भाषा में शब्द निर्माण और अभिव्यक्ति की क्षमता सबसे प्रबल है।

15. श्लोक–अन्त्याक्षरी प्रतियोगिता

डॉ.गो.गि.ला.शा. प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, दिल्ली सरकार द्वारा श्लोक–अन्त्याक्षरी प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 30–11–2024 को सनातन वेद गुरुकुलम् समीप पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज, हरि नगर, लाजपत नगर, नई दिल्ली में किया गया। उक्त प्रतियोगिता में दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत प्रवक्ता प्रेम देवली, श्री लाल बहादुरशास्त्री केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के

आचार्य डॉ. सूर्यदेव बहुगुणा, रामजस पब्लिक स्कूल, पूसा रोड के संस्कृत प्रवक्ता डॉ. युवराज भट्टराई संस्कृत विभागाध्यक्ष, डॉ. गिरिश चन्द्र पन्त उपस्थित रहे प्रतिष्ठान के निदेशक डॉ. जीतराम भट्ट उपस्थित हुए डॉ. प्रेम देवली ने कहा कि श्लोक अत्याक्षरी प्रतियोगिता से गुरुकुल छात्रों से श्लोक को याद करने का अधिक अभ्यास हो जाता है।

डॉ. सूर्यदेव बहुगुणा ने बताया कि इस प्रकार की प्रतियोगिता प्रतिष्ठान द्वारा करवानी चाहिए जिससे संस्कृत के प्रति गुरुकुल छात्रों की रूचि अधिक बढ़े। डॉ. युवराज भट्टराई ने बताया कि संस्कृत के प्रचार के लिये हर व्यक्ति को अपनी अपनी जिम्मेदारियां लेनी होगी। हम सब मिलकर संस्कृत को आम लोगों तक प्रयास करे। इस प्रकार की श्लोक प्रतियोगिता से संस्कृत को आम लोगों तक पंहुचाता है। डॉ. गिरिश चन्द्र पन्त ने बताया कि वर्तमान में संस्कृत को आम लोगो तक ले जाने के लिए अनेक स्तर पर प्रयास किये जा रहे है। इस प्रकार कि प्रतियोगिता संस्कृत के प्रयास के लिए अच्छा प्रयास है। डॉ. जीतराम भट्ट ने कहा इस प्रकार की प्रतियोगिता से देश के संस्कृत प्रेमी छात्रों को संस्कृत प्रचार प्रसार सहायता मिलता है। संस्कृत का जितनी अधिक

प्रसार–प्रसार होगा जीवन मूल्य उतने ही सुरक्षित रहेंगे।

16.संस्कृत व्यवहार शिविर–2

डॉ.गो.गि.ला.शा. प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, दिल्ली सरकार द्वारा संस्कृत व्यवहार शिविर–2 का आयोजन दिनांक 01–12–2024 से दिनांक 10–12–2024 को श्री हरिहर वैदिक गुरुकुलम्, खसरा नं. –52/3, नियर कन्या सरकारी स्कूल, तिगिपुर रोड, बख्तावरपुर, दिल्ली–110036 में किया गया। उक्त शिविर में शिक्षक, श्री सूर्य प्रकाश नौटियाल, विशिष्ट अतिथि स्वामी जनार्दनाचार्य, श्री हरिकृष्ण शर्मा एवं प्रतिष्ठान के निदेशक डॉ. जीतराम भट्ट उपस्थित हुए। उक्त शिविर में सूर्य प्रकाश नौटियाल ने बताया कि संस्कृत एवं प्राच्य विद्याओं के विषय पर विस्तार से चर्चा की । शिविर के माध्यम से आम बोल–चाल की भाषा के रूप में संस्कृत का उपयोग करने पर अधिक बल दिया जाए। स्वामी जनार्दनाचार्य ने शिविर की उपयोगिता के विषय में बताया और दैनिक जीवन में संस्कृत भाषा के महत्तव पर प्रकाश डाला। श्री हरिकृष्ण शर्मा ने संस्कृत व्यवहार शिविर–2 के बारे में कहा कि हर व्यक्ति को यदि संस्कृत की महानजा के बारे में निरन्तर बताया जाये तो समाज में

फैल रहे असामाजिक वातावरण पर अकुंश लगाया जा सकता है। प्रतिष्ठान के निदेशक डॉ. जीतराम भट्ट ने बताया कि प्रतिष्ठान की ओर से यह प्रयास है कि प्राच्य भाषाएं आम लोगो के बीच पहुंचा जा सके। वर्तमान में संस्कृत को आम लोगो तक ले जाने के लिए अनेक स्तर पर प्रयास किये जा रहे है।

17.संस्कृत भाषण प्रतियोगिता

डॉ.गो.गि.ला.शा. प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, दिल्ली सरकार द्वारा संस्कृत भाषा प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 07–12–2024 को महर्षि वेदव्यास विद्यापीठ आनन्दधाम आश्रम, बक्करवाला मार्ग, दिल्ली–110044 में किया गया। उक्त प्रतियोगिता में दिल्ली शिक्षा निदेशालय के संस्कृत प्रवक्ता श्री कालीकान्त झा, , स्वामी सर्वानन्द संस्कृत वेद विद्यालय, आरामबाग, दिल्ली के प्राचार्य डॉ. मनमुदित नारायण शुक्ला, दिल्ली दूरस्थ शिक्षा, दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ.. विष्णु प्रसाद सेमवाल, एससीईआरटी के प्रवक्ता डॉ. रामकरण डबास तथा प्रतिष्ठान के निदेशक डॉ. जीतराम भट्ट उपस्थित थे। कालीकान्त ने कहा संस्कृत भाषण प्रतियोगिता जैसे कार्यक्रम प्रतिष्ठान द्वारा करवाई जाती है। जिससे

संस्कृत भाषा का प्रचार प्रसार होता है। डॉ. मनमुदित नारायण शुक्ला ने कहा हम सब मिलकर आम लोगो तक पंहुचाने का प्रयास करे संस्कृत के प्रचार के लिये हर व्यक्ति को अपनी–अपनी जिम्मेदारी लेनी होगी।

डॉ. विष्णु प्रसाद सेमवाल के कहा कि आज के भौतिकवादी युग में युवा पीढ़ी संस्कृत एव भारतीय संस्कृत से दूर होती जा रही है। संस्कृत को आम लोगो की भाषा बनाने में सहायक हो सकती है। डॉ. रामकरण डबास ने कहा कि संस्कृत का जितना अधिक प्रचार–प्रसार होगा जीवन मूल्य उतने ही सुरक्षित रहेगें। हमें आशावादी होने के साथ–साथ निरन्तर प्रयासशील रहना चाहिए। डॉ. जीतराम भट्ट ने कहा हक प्रतिष्ठान द्वारा दिल्ली के संरूकृत पढ़ने वाले छात्रों के लिए दिल्ली में ही नही सम्पूर्ण देश में संस्कृत छात्रों के लिए संस्कृत का प्रचार होना चाहिए।

18.संस्कृत व्यवहार शिविर–3

डॉ.गो.गि.ला.शा. प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, दिल्ली सरकार द्वारा संस्कृत व्यवहार शिविर का आयोजन दिनांक 8–12–2024 से दिनांक 17–12–2024 तक श्री हरिप्रिया वैदिक गुरुकुलम्,

करोलबाग, नई दिल्ली में किया गया। उक्त शिविर में प्राचार्य, श्रीहरिप्रिया वैदिक गुरुकुल, श्रीदण्डपाणि आचार्य, श्री मधुर कवि आचार्य, अध्यक्ष, श्री हरिप्रिया वैदिक टस्ट एवं उपस्थित रहे प्रतिष्ठान के निदेशक डॉ. जीतराम भट्ट उपस्थित हुए श्री दण्डपाणि आचार्य जी ने उक्त शिविर में बताया कि प्रतिष्ठान द्वारा शिविर के आयोजन से हम संस्कृत के आम–बोलचाल की भाषा में प्रयोग होने वाले शब्दों को सीखते है। वर्तमान में संस्कृत को आम लोगों तक ले जाने के लिए अनेक स्तर पर प्रयास किये जा रहे हैं।

श्री मधुर कवि आचार्य ने बताया कि संस्कृत के प्रचार के लिये हर व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारियां लेनी होगी। हम सब मिलकर संस्कृत को आम लोगों तक पंहुचाने का प्रयास करें संस्कृत का जितना अधिक प्रचार–प्रसार होगा जीवन मूल्य उतने ही सुरक्षित रहेंगे। हम आशावादी के साथ निरन्तर प्रयासशील भी रहना चाहिए। उक्त शिविर में उपस्थित प्रतिष्ठान के निदेशक डॉ.जीतराम भट्ट ने कहा कि 'संस्कृत भारतीय संस्कृति का आधार है। आज भारत को विश्व में भारतीयों के आदर्श मूल्यों के कारण ही जाना जाता है।'

19. संस्कृत गीत प्रतियोगिता

डॉ.गो.गि.ला.शा. प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, दिल्ली सरकार द्वारा संस्कृत गीत प्रतियोगिता दिनांक 14–12–2024 को श्री स्वामी सर्वानन्द गिरि संस्कृत विद्यालय 17/33, श्री लक्ष्मी नारायण मन्दिर, गीता कालोनी–110031 में आयोजित किया गया। उक्त प्रतियोगिता में प्रवक्ता,संस्कृत, शिक्षा निदेशालय डॉ. शंकर दत्त पाण्डेय, श्री राजेश उपाध्याय, प्रवक्ता,हिन्दू महाविद्यालय,दिल्ली डॉ. सुनील जोशी , निर्णायक के रूप में एवं प्रतिष्ठान के निदेशक डॉ. जीतराम भट्ट उपस्थित हुए। उक्त प्रतियोगिता के विषय में डॉ. शंकर दत्त पाण्डेय ने कहा कि गीत प्रतियोगिता से संस्कृत भाषा में रुचि बढती हैं जिससे छात्रों की एकाग्रता, भाषा–कौशल और सांस्कृतिक ज्ञान में सुधार होता है। यह प्रतियोगिता विधार्थियों को अपनी प्रतिभा दिखाने, आत्म–मूल्याकंन करने तथा राष्ट्रीय स्तर पर अपनी स्थिति का आकलन करने का अवसर प्रदान करती है। डॉ. सुनील जोशी ने इस विषय पर कहा संस्कृत शिक्षा को आकर्षक तथा इसमें गुणात्मक वृद्धि लाने के लिए संस्कृत गीत प्रतियोगिता एक सशक्त माध्यम है। प्रतियोगिता छात्रों को स्व मूल्यांकन का अवसर प्रदान करती है। प्रतिष्ठान के निदेशक डॉ. जीतराम भट्ट ने

बताया प्रतियोगिता छात्रों को अभिप्रेरित करने और बेहतर प्रयास कने के लिए प्रेरित करती है। इसके द्वारा छात्र में सर्वश्रेष्ठ बनने और समकक्ष छात्रों से स्पर्धा करने का उत्साह पैदा होता है। छात्र अपनी वैचारिक समझ में सुधार करते हैं और वे कठिन अवधारणाओं को समझने में सक्षम बनते हैं।

20. संस्कृत व्यवहार शिविर–4

डॉ.गो.गि.ला.शा. प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, दिल्ली सरकार द्वारा संस्कृत व्यवहार शिविर दिनांक 15–12–2024 को स्वामी प्रज्ञानन्द वैदिक गुरुकुलम्, ब्लॉक डी साकेत प्रज्ञा मार्ग, नई दिल्ली–17 में आयोजित किया गया।

श्री उपेन्द्र दूबे ने दैनिक जीवन में संस्कृत भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला। संस्कृत भाषा में स्थित ज्ञान–विज्ञान के चिन्तन की धारा अनन्त काल से लेकर आज तब विश्व में प्रवाहित होती रही है। संस्कृत साहित्य के ज्ञान–विज्ञान को प्रसारित करने में शिक्षकों की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है। आदिकाल से गुरु–शिष्य परम्परा से संस्कृत साहित्य में निहित ज्ञान–विज्ञान पीढ़ी दर पीढ़ी आगे चलता रहा है।

विद्यालय के प्राचार्य श्री आशुतोष पाण्डेय ने बताया कि सरकार प्रत्येक वर्ष प्राच्य विद्याओं के प्रचार–प्रसार के लिए कार्यक्रमों का आयोजन करती है। जिससे समाज के प्रत्येक वर्ग तक प्राच्य विद्याओं के बारे में अधिक से अधिक जानकारी पहुंचायी जा सके।

प्रतिष्ठान के निदेशक डॉ. जीतराम भट्ट ने बताया कि संस्कृत में बातचीत करने से भाषा–व्यवहार मजबूत होता है। उन्होंने संस्कृत एवं प्राच्य विद्याओं के विषय पर विस्तार से चर्चा की और इस शिविर के माध्यम से आम बोल–चाल की भाषा के रूप में संस्कृत का उपयोग करने पर अधिक बल दिया।

21. प्राच्य विद्या संगोष्ठी–पत्रकारिता क्षेत्रे संस्कृतस्य योगदानम्

डॉ. गो गि. ला.शा प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, दिल्ली सरकार द्वारा पत्रकारिता–क्षेत्रे संस्कृतस्य योगदानम् विषय पर संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 21–12–2024 को डॉ. गो. गि. ला.शा प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, प्लॉट नं.–5, झण्डेवालान, करोलबाग, नई दिल्ली–110005 के संगोष्ठी कक्ष में किया गया। उक्त संगोष्ठी में स्वामी

सर्वानन्द संस्कृत वेद विद्यालय आरामबाग, दिल्ली के प्राचार्य डॉ. मनमुदित नारायण शुक्ला ने मंच संचालन किया, परामर्शक सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के डॉ. सूर्य प्रकाश सेमवाल , दिल्ली विश्व विद्यालय के सहायक आचार्य डॉ विष्णु प्रसाद सेमवाल अतिथि के रूप में तथा प्रतिष्ठान के निदेशक डॉ. जीतराम भट्ट उपस्थित रहे। डॉ. मन मुदित नारायण ने बताया कि पत्रकारिता में संस्कृत का योगदान अत्यन्त प्राचीन और सांस्कृतिक दृष्टि से समृद्ध है। संस्कृत भाषा न केवल भारतीय संस्कृति की मूल भाषा है, बल्कि अतिथि–सत्कार और सेवा की भावना को स्पष्ट रूप से दर्शाने वाले अनेक श्लोक, सूक्तियाँ और विचार संस्कृत साहित्य में मिलते हैं।

डॉ. सूर्य प्रकाश सेमवाल ने बताया कि संस्कृत में पत्रकारिता स्वतंत्रता संग्राम की एक विशिष्ट उपलब्धि है। नवीन विचारों और राष्ट्रीयता की वृद्धि में इसने अभूतपूर्व योगदान किया है। प्राचीन भारत में राजदरबारों से लेकर जनजीवन तक सूचना पंहुचाने का कार्यदूत, संचारक और राजकीय घोषणाओं द्वारा होता था। इन घोषणाओं और संदेशों की व्यावहारिक भाषा प्रायः संस्कृत होती थी। डॉ. विष्णु प्रसाद सेमवाल ने बताया कि पत्रकारिता में संस्कृत का योगदान बहुत महत्त्वपूर्ण और बहुआयामी रहा है। डॉ. जीतराम

भट्ट ने बताया कि आधुनिक पत्रकारिता का स्वरूप मुख्यतः उन्नीसवी शताब्दी में उभरकर आया, लेकिन समाचार जनसंचार और विचार–प्रसार की परंपरा भारत में प्राचीनकाल से ही रही है, जिसमें संस्कृत भाषा की विशेष भूमिका रही है।

22. शोधव्याख्यानमाला 'अनुसंधान विधि प्रक्रिया'

डॉ. गो.गि.ला.शा. प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान दिल्ली सरकार द्वारा शोधव्याख्यानमाला– 'अनुसंधाने विधि–प्रक्रिया' विषय पर शोध व्याख्यानमाला का आयोजन दिनांक–22.12.2024 को किया गया। जिसमें श्री सूर्य प्रकाश नौटियाल, शिक्षक संस्कृत विद्यालय ने मंच संचालन का दायित्व संभाला, डॉ. शंकर दत्त पाण्डेय प्रवक्ता संस्कृत, श्री मनोज कुमार शाक्य अधिवक्ता, उच्चतम न्यायलय अतिथि के रूप में तथा प्रतिष्ठान के निदेशक डॉ. जीतराम भट्ट उपस्थित रहे। शोध व्याख्यानमाला में डॉ. शंकर दत्त पाण्डेय ने अनुसंधान के विषय में कहा कि अनुसंधान एक व्यवस्थित, क्रमबद्ध और वैज्ञानिक प्रक्रिया है। जिसमें शोधकर्ता अपनी विधि प्रक्रिया में यह निश्चित करता है कि उससे किस विषय या किस समस्या पर

शोध कार्य करना है। तत्पश्चात् आगे विधि प्रक्रिया को निश्चित करता है। श्री मनोज कुमार ने इस विषय पर कहा कि शोध की विधियां और प्रविधियां विविध हैं अपने विषय के अनुसार ही अनुसंधान की विधि प्रक्रिया के तहत विषय से संबधित समस्याओं का समाधान करना। डॉ. जीतराम भट्ट ने बताया कि अनुसंधान में विधि प्रक्रिया के अंतर्गत विविध बिन्दु आते हैं। जिसमें शोध को व्यविस्थत रूप में लिखित रूप से देखना होता है। जिसमें प्रस्तावना, कार्यप्रणाली, परिणाम, निष्कर्ष और सुझाव शामिल हैं।

23. संस्कृत व्यवहार शिविर–5

डॉ. गो.गि.ला.शा. प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, दिल्ली सरकार द्वारा संस्कृत व्यवहार शिविर–5 का आयोजन दिनांक–25.12.2024 को किया गया। श्री पुरुषोत्तम शर्मा, डॉ. रामकरण डबास पूर्व प्रवक्ता, एस.सी.ई.आर.टी श्री रोहित राज पंत, प्राचार्य, श्री रामऋषि संस्कृत महाविद्यालय कराला, तथा प्रतिष्ठान के निदेशक डॉ. जीतराम भट्ट कार्यक्रम में उपस्थित थे । श्री पुरुषोत्तम शर्मा ने बताया कि छात्रों में संस्कृत बोलने की सहज प्रवृत्ति विकसित करना तथा शिविर के माध्यम से शास्त्रीय ज्ञान को आधुनिक जीवन से

जोड़ना इसका उद्देश्य है। उक्त शिविर में उपस्थित डॉ. रामकरण डबास ने बताया कि संस्कृत ज्ञान केवल पुस्तकीय न रहकर व्यवहारिक बनता है। गुरुकुलीय छात्रों के लिए व्यवहारिक शिविर जैसी दस दिवसीय कार्यक्रम, गुरुकुलीय छात्रों के जीवन में अनुशासन, सहयोग और संवाद क्षमता बढ़ाती है। श्री रोहित राज पंत ने बताया संस्कृत व्यवहार शिविर केवल भाषा शिक्षण का साधन नहीं, बल्कि भारतीय जीवन मूल्यों और संस्कृति को आत्मसात् कराने का माध्यम है। यदि ऐसे शिविर नियमित रूप से आयोजित होते हैं। तो आने वाली पीढ़ी संस्कृत को व्यवहार में सहजता से प्रयोग कर सकेगी। डॉ. जीतराम भट्ट ने बताया कि संस्कृत केवल एक प्राचीन भाषा ही नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा भी है। इसके संरक्षण और प्रचार के लिए वर्तमान में छात्रों के लिए व्यवहार शिविर का आयोजन किया जाता है

24.शोध–व्याख्यानमाला–'वर्तमाने संस्कृता–धारिता पत्रकारिता'

डॉ. गो.गि.ला.शा. प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, दिल्ली सरकार द्वारा शोधव्याख्यानमाला–'वर्तमाने संस्कृतधारिता पत्रकारिता' विषय

पर शोध व्याख्यानमाला का आयोजन दिनांक–05.01.2024 किया गया। श्रीनिवास सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. जीवन शर्मा ने बताया संस्कृत को प्रायः प्राचीन ग्रन्थों और शास्त्रीय साहित्य की भाषा मात्र माना जाता है। किन्तु आज भी यह भाषा पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय है। अनेक संस्कृत–पत्र प्रकाशित हो रहे हैं। श्री मनोज चौरसिया ने बताया कि संस्कृत पत्रकारिता का प्रारम्भ सन् 1970 में 'सुधर्मा' नामक संस्कृत दैनिक पत्र के रूप में मैसूर से हुआ। यह आज मुद्रित तथा आनलाइन दोनों रूपों में प्रकाशित होता है और विश्व का एकमात्र संस्कृत दैनिक पत्र माना जाता है। श्री राकेश सिन्हा ने कहा कि वर्तमान संस्कृत पत्रकारिता भारतीय संस्कृति और परम्परा के साथ समकालीन घटनाओं को जोड़ने का सशक्त माध्यम है। यह युवाओं में संस्कृत के प्रति रुचि उत्पन्न करती है। डॉ. जीतराम भटट् ने बताया है कि वर्तमान युग में संस्कृत पत्रकारिता सीमित दायरे में होते हुए भी जीवित है। डिजिटल माध्यमों के कारण इसका प्रचार–प्रसार बढ़ रहा है। यदि समाज व शैक्षणिक संस्थान सहयोग करें, तो भविष्य में संस्कृत– पत्रकारिता और अधिक लोकप्रिय हो सकती है।

25. प्रश्न–पत्र–निर्माण–कार्यशाला

डॉ. गो.गि.ला.शा. प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, दिल्ली सरकार द्वारा प्रश्न पत्र निर्माण कार्यशाला का आयोजन दिनांक 11.02.2025 से 14.02.2025 को संगोष्ठी कक्ष प्लाट नं.–5, झण्डेवालान, करोलबाग, नई दिल्ली में किया गया। जिसमें संस्कृत विद्यालय के शिक्षक डॉ. शंकर दत्त पाण्डेय, श्री नरेन्द्र चौहान, प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी, श्री सूर्य प्रकाश सेमवाल, श्री राकेश सिन्हा, श्री मनोज कुमार, श्री सच्चिदानंद तथा प्रतिष्ठान के निदेशक डॉ. जीतराम भट्ट उपस्थित रहे। शंकर दत्त पाण्डेय ने बताया कि प्रश्न पत्र निर्माण कार्यशाला प्रतिष्ठान द्वारा आयोजित की गयी, जिसका उद्देश्य प्रश्न निर्माण की विभिन्न तकनीकों को ध्यान में रखने हुए प्रश्न पत्र का निर्माण करना है। प्रश्न पत्र की विभिन्न शैक्षाणिक प्रक्रिया को समझना। श्री नरेन्द्र चौहान जी ने बताया कि शिक्षक प्रश्न पत्र निर्माण में दक्षता प्राप्त करेंगे तो छात्रों की योग्यता में वृद्धि होगी अतः इस कार्यशाला में प्रश्न पत्र का प्रारूप किस प्रकार तैयार किया जाना चाहिए आदि पर ध्यान दिया जाता है। प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी ने कहा कि इस प्रकार की कार्यशाला द्वारा प्रश्न पत्र की कठिनाई के स्तर का

विभाजन कर उसे सरल बनाती है। श्री सूर्य प्रकाश सेमवाल ने बताया कि प्रश्नपत्र निर्माण कार्यशाला में लघु उत्तरीय प्रश्न, दीर्घ उत्तरीय प्रश्न अनुप्रयोग आधारित व विचारात्मकजनक प्रश्न होने चाहिए तथा प्रश्नों में संतुलन बनाए रखना चाहिए। श्री मनोज कुमार ने कहा कि प्रश्न पत्र में दोहरे अर्थ वाले शब्दों से बचाव होना चाहिए। श्री सच्चिदानंद ने बताया कि प्रश्न पत्र की त्रुटि का संशोधन करना तथा उसको अंतिम रूप देना एक कौशल है। प्रश्नों से इसका विकास होता है। प्रो. भागीरथी नन्द ने बताया प्रश्न पत्र निर्माण प्रक्रिया पूर्ण होने तक प्रश्न पत्र को पूर्ण रूप से गोपनीय बनाये रखना आवश्यक है डॉ. जीतराम भट्ट ने बताया कि प्रश्न पत्र के निर्माण में इस तथ्य पर अधिक महत्त्व दिया जाए कि प्रश्न पत्रावली में पाठ्यक्रम के सभी विषय सम्मिलित किये जायें और स्थालीपुलाक न्याय से कौशल–विकास पर ध्यान दिया जाये। ।

26.संगोष्ठी –'राष्ट्रीय विकास में गुरुकुलीय शिक्षा–पद्धति' की भूमिका

डॉ. गो.गि.ला.शा. प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान दिल्ली सरकार द्वारा 'राष्ट्रीय विकास में गुरुकुलीय शिक्षा–पद्धति की भूमिका विषय पर

संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 15.02.2025 को प्रतिष्ठान के संगोष्ठी कक्ष, डॉ.गो.गि.ला.शा. प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, प्लॉट नं.–5 झण्डेवालान, करोलबाग, नई दिल्ली–110005 में किया गया। उक्त संगोष्ठी में स्वामी सर्वानन्द संस्कृत वेद विद्यालय, आरामबाग, दिल्ली के प्रवक्ता डॉ. मनमुदित नारायण शुक्ला तथा प्रतिष्ठान के निदेशक डॉ. जीतराम भट्ट उपस्थित रहे। डॉ. मनमुदित नारायण शुक्ला ने बताया कि भारतीय संस्कृति में शिक्षा का अर्थ केवल ज्ञानार्जन नहीं, बल्कि व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास से है। जिसमें गुरुकुलो में शिक्षा का उद्देश्य केवल बौद्धिक विकास नही, बल्कि नैतिकता, सत्य, अनुशासन और सेवा भावना को विकसित करना है। राष्ट्र की उन्नति के लिए चरित्रवान् नागरिक आवश्यक है। आज के तकनीकी युग में भी गुरुकुलीय शिक्षा बहुत प्रशंसनीय है। आधुनिक शिक्षा में नैतिक मूल्यों, व्यावहारिक प्रशिक्षण और संस्कारों का समावेश हो तो राष्ट्र का विकास संभव है डॉ. जीतराम भट्ट ने बताया कि गुरुकुलीय शिक्षा पद्धति केवल अतीत की धरोधर नहीं बल्कि भविष्य के भारत के लिए प्रेरणा स्रोत है। इस पद्धति के आदर्शों को अपनाकर हम एक सशक्त संस्कारित और समृद्ध राष्ट्र की रचना कर सकते हैं।

27. परिचर्चा–'प्राच्य विद्याओं में विज्ञान के सूत्र'

डॉ. गो.गि.ला.शा. प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान दिल्ली सरकार द्वारा 'प्राच्य विद्याओं में विज्ञान के सूत्र'– विषय पर परिचर्चा का आयोजन दिनांक 16.02.2025 को प्रतिष्ठान के संगोष्ठी कक्ष, डॉ. गो.गि.ला.शा. प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान , प्लॉट नं. –5 झण्डेवालान, करोलबाग, नई दिल्ली–110005 में किया गया। उक्त परिचर्चा में संस्कृत महर्षि वाल्मीकी विश्वविद्यालय कैथल के सहा. आचार्य डॉ. कृष्ण चन्द्र पाण्डेय तथा प्रतिष्ठान के निदेशक डॉ. जीतराम भट्ट उपस्थित थे। डॉ. कृष्णचन्द्र पाण्डेय ने बताया कि प्राच्यविद्याओं में विज्ञान के सूत्र विषय बहुत रोचक और प्रासंगिक है। प्राच्य विद्याओं में विज्ञान का रूप केवल भौतिक ही नहीं, बल्कि दार्शनिक, आध्यात्मिक और जीवन मूल्यों से सम्बन्धित भी रहा है। आयुर्वेद भारत की प्राचीन वैज्ञानिक चिकित्सा–पद्धति रही है। यहां की प्राच्य विद्याओं में ऐसा ज्ञान निहित है।, जो आधुनिक विज्ञान के सिद्धातों से मेल खाता है। ऋषि–मुनियों ने अनुभव, प्रयोग और अवलोकन के आधार पर अनेक विज्ञान सूत्रों की रचना की। डॉ. जीतराम भट्ट ने बताया कि प्राच्य विद्याएं केवल श्रद्धा या

परंपरा नहीं, बल्कि गहन वैज्ञानिक चिंतन का परिणाम हैं। इनमें जीवन, प्रकृति और ब्रह्माण्ड के रहस्यों को वैज्ञानिक दृष्टि से समझने की अद्भुत परंपरा नीहित है। आज आवश्यकता है। कि हम इन विज्ञान –सूत्रों को आधुनिक जीवन में अपनाएं और प्राचीन ज्ञान को नवदृष्टि से देखें।

28. गुरुकुलीय खेल महोत्सव (गुरुकुलीय खेल प्रतियोगिता)

डॉ. गो.गि.ला.शा. प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान दिल्ली सरकार द्वारा गुरुकुलीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 22.02.2025 एवं दिनांक 23.02.2025 को महर्षिवेदव्यास विद्यापीठ आनन्दधाम आश्रम बक्करवाला मार्ग, दिल्ली में दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया इस प्रतियोगिता समारोह का संचालन श्री राकेश कौशिक द्वारा किया गया।

डॉ. राकेश कौशिक ने बताया गुरुकुल छात्रों के लिए गुरुकुलीय खेल प्रतियोगिता आयोजित करना शरीर, मन और आत्मा तीनों के संतुलित विमकास के लिउए अंत्यंत उपयोगी है जिसमें प्रथ्तयोगिता में खो खो, दौड, कबड्डी, लम्बी कूद, गोला

फेंक शामिल है डॉ. जीतराम भट्ट ने बताया गुरुकुल परंपरा में खेलों को शिक्षा का अभिन्न अंग माना गया है। यह प्रतियोगिताएं उसी परंपरा को जीवित रखती है और विधार्थियों को चरित्रवान, आत्मविश्वासी और कर्मठ बनने की प्रेरणा देती है। खेल प्रतियोगिता के माध्यम से विधार्थी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं। और जीवन में आगे बढ़ने का उत्साह प्राप्त करते है।

समापन समारोह का संचालन डॉ. हिमांशु रतूड़ी ने किया। डॉ. हिमाशुं ने बताया इन प्रतियोगिताओं का मतुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के शरीर को स्वस्थ, बलवान और चुस्त दुरुस्त बनना है। खेलों से न केवल शरीरिक स्वास्थ्य में सुधार होता है। बल्कि मन और मस्तिष्क भी स्फूर्त रहता है। इससे विधार्थियों में अनुशासन, सहयोग, सहनशीलता जैसे गुण विकसित होती है। इस प्रकार की प्रतियोगिता से विधार्थियों को अपनी खेल प्रतिभा दिखाने और प्रतियोतिता के माध्यम से आत्म विकास होता है डॉ. जीतराम भट्ट ने बताया गुरुकुलीय शिक्षा पद्धति केवल पुस्तकीय ज्ञान पर आधारित नहीं है, बल्कि यह शरीर,मन और आत्मा तीनों के संतुलित विकास की शिक्षा देती है। इसी उद्देश्य से गुरुकुलों में खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। यह हमें जीत और हार दोनों का

समान भाव से स्वीकार करने की शिक्षा देती हैं इन प्रतियोगिता के माध्यम से विधार्थियों में आत्म–विश्वास, नेतृत्व क्षमता और जीवन में ओगे बढ़ने का उत्साह जागृत होता है।

29. प्राच्य विद्याओं पर आधारित संगोष्ठी

डॉ. गो.गि.ला.शा. प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान दिल्ली सरकार द्वारा प्राच्य विद्याओं पर आधारित संगोष्ठी दिनांक 01.03.2025 को प्रतिष्ठान के संगोष्ठी कक्ष, डॉ.गो.गि.ला.शा. प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, प्लॉट नं.–5 झण्डेवालान, करोलबाग, नई दिल्ली–110005 में आयोजित किया गया। उक्त संगोष्ठी में दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर डॉ. सुषमा चौधरी, श्रीनिवास सेवा न्याय टस्ट के अध्यक्ष डॉ. जनार्दनचार्य, प्रतिष्ठान के निदेशक डॉ. जीतराम भट्‌ट उपस्थित थे

डॉ. सुषमा ने बताया इस प्रकार की संगोष्ठी कराने का उद्‌देश्य प्राचीन भारतीय ज्ञान–विज्ञान का आधुनिक संदर्भ में अध्ययन, गुरुकुलीय परंपरा और शास्त्रीय विद्याओं का संरक्षण , शोधार्थियों, आचार्यों, विधार्थियों में प्राच्य विद्याओं के प्रति रूचि उतपन्न करना। भारतीय संस्कृति की जड़ों से जुड़कर नवीन विचार की दिशा में अग्रसर होना। डॉ. जनार्दनाचार्य ने बताया ऐसी

संगोष्ठियां हमे यह स्मरण कराती है कि आधुनिक विज्ञान की अनेक अवधारणाएं प्राचीन भारत में पहले से विद्यमान थी। योग, आयुर्वेद, खगोल, गणित, दर्शन ये सभी हमारे सांस्कृतिक वैभव के प्रतिक है। डॉ. जीतराम भट्ट ने बताया प्राच्य विघाओं पर आधारित संगोष्ठी केवल एक शैक्षिक कार्यक्रम नही, बल्कि हमारी सांस्कृतिम चेतना के जागरण का माध्यम है। इससे युवा पीढ़ी में भारत के गौरवशाली ज्ञान परंपरा के प्रति गर्व और अनुसंधान के विचार विकसित होती है।

30. प्राच्य विद्याओं पर आधारित परिचर्चा

डॉ. गो.गि.ला.शा. प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, दिल्ली सरकार द्वारा प्राच्य विघाओं पर आधारित परिचर्चा दिनांक 02.03.2025 को प्रतिष्ठान के संगोष्ठी कक्ष, डॉ.गो.गि.ला.शा. प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान , प्लॉट नं. –5 झण्डेवालान, करोलबाग, नई दिल्ली–110005 में आयोजित किया गया। उक्त परिचर्चा में श्री लाल बहादुर शास्त्री केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रोफेसर प्रो. महेश सिलोड़ी, दिल्ली शिक्षा निदेशालय, दिल्ली के पूर्वप्राचार्य डॉ. योगेन्द्र कुमार शर्मा तथा प्रतिष्ठान के निदेशक डॉ. जीतराम भट्ट उपस्थित थे। प्रो. महेश

सिलोड़ी ने बताया मानव सभ्यता के विकास में ज्ञान की परंपरा अत्यन्त महत्वपूर्ण रही है। भारत में ज्ञान की परंपरा ही प्राच्य विद्या कहलाती है। आज के वैज्ञानिक और तकनीकी युग में भी यह विद्या न केवल ऐतिहासिक दृष्टि से मूल्यवान है, बल्कि आधुनिक समाज को दिशा देने में भी उपयोगी सिद्ध हो रही है। डॉ. योगेन्द्र कुमार शर्मा ने परिचर्चा के विषय में कहा प्राच्य विद्या का अर्थ केवल पुरातन ग्रंथों का अध्ययन नहीं है, बल्कि उन ग्रन्थों में निहित दर्शन, विज्ञान, संस्कृति, भाषा–व्यवस्था, शिक्षा–पद्धति और सामाजिक चितंन करना भी है यह विद्या इस तथ्य पर भी ध्यान केन्द्रित करती है कि प्राचीन भारतीय ज्ञान प्रणाली वैज्ञानिक, तर्कपूर्ण और बहुविषयक थी। डॉ. जीतराम भट्ट ने बताया प्राच्य विद्याओं के माध्यम से हम न केवल अपनी सभ्यता की जड़ो को समझते हैं, आधुनिक चुनौतियों के लिए समाधान भी प्राप्त करते हैं। प्राचीन और आधुनिक ज्ञान में परस्परता ही वास्तविक प्रगति है। अतः प्राच्य विद्या को केवल प्राचीन का विषय न मानकर भविष्य में मार्गदर्शक के रूप में देखा जाए।

छायाचित्र

गुरुकुलीय खेल–प्रतियोगिता
का उद्घाटन

गुरुकुलीय संस्कृत गीत प्रतियोगिता

गुरुकुलीय संस्कृत गीत प्रतियोगिता

गुरुकुलीय कबड्डी प्रतियोगिता

गुरुकुल में संस्कृत–व्यवहार शिविर उद्घाटन

गुरुकुल में संस्कृत–व्यवहार शिविर और संगोष्ठी का उद्घाटन

गुरुकुलीय योग प्रतियोगिता

गुरुकुलीय संस्कृत भाषण प्रतियोगिता

गुरुकुलीय संस्कृत भाषण प्रतियोगिता

गुरुकुलीय संस्कृत नाट्य समारोह

गुरुकुलीय संस्कृत नाट्य समारोह

गुरुकुल के छात्रों के लिए
संस्कृत पुरस्कार वितरण

संस्कृत में संचार' पर शोधकर्ता पीएच डी) छात्रों का प्रस्तुतीकरण

गुरुकुल के संस्कृत–व्यवहार शिविर

गुरुकुल में संस्कृत–व्यवहार शिविर

लेखा–परीक्षक की रिपोर्ट

(2024-25)

FORM GFR 12-A
[See Rule 238 (1)]

FORM OF UTILIZATION CERTIFICATE
FOR AUTONOMOUS BODIES OF THE GRANTEE ORGANIZATION

UTILIZATION CERTIFICATE FOR THE YEAR ...2024-2025.in respect of recurring/non-recurring
GRANT-IN-AID/SALARIES/CREATION OF CAPITAL ASSETS

1. Name of the Scheme ....**Dr. G.G.L.S. Prachya Vdiya Pratishthanam**
2. Whether recurring nor non-recurring grants ....- **Recurring Grant..........**
3. Grants position of the beginning of the Financial year
   (i) **Cash in Hand/Bank** - **Rs. 26,80,685.07**
   (ii) **Unadjusted advances** - **Rs. 1,500.00**
   (iii) **Total** - **Rs. 26,82,185.07**
4. Details of grants received, expenditure and closing balances : (Actuals

Unspent Balance of Grants received years [Figure as at Sl. No. 3 (iii)]	Interest Earned thereon/other Source of income	Interest deposited back to the Government/returned to Government	Grant received during the year			Total Available funds (1+2-3+4)	Expenditure incurred	Total Balances (5-6)
1	2	3	4			5	6	7
			Sanction No. (i)	Date (ii)	Amount (iii)			
General - 1,18,815.07	2,09,834.80		1.F-11(32) A/C/ACL /2024-25/161-168 2. F-11(32) A/C/ACL /2024-25/1277-1284	15-05-2024 08-10-2024	9,60,000.00 19,22,000.00	47,10,649.87	44,94,795.08	2,15,854.79

			3. F-11(32) A/C/ACL /2024-25/2195-2201	11-02-2025	15,00,000.00			
			1.F-11(32) A/C/ACL /2024-25/161-168	15-05-2024	------			
			2. F-11(32) A/C/ACL /2024-25/1277-1284	08-10-2024	38,12,000.00			
Salary- 25,63,370.00		-----	3. F-11(32) A/C/ACL /2024-25/2195-2201	11-02-2025	21,25,000.00	85,00,370.00	51,57,916.00	33,42,454.00
Total – 26,82,185.07	2,09,834.80	------		Total –	1,03,19,000.00	1,32,11,019.87	96,52,711.08	35,58,308.79

Component wise utilization of grants :

Grant - in – aid – General	Grant - in – aid – Salary	Grant - in – aid – Creation of capital assets	Total
44,94,795.08	51,57,916.00	----	96,52,711.08

Details of grants position at the end of the year

(i) Cash in Hand/Bank - Rs. 35,56,808.79

(ii) Unadjusted advances - Rs.1,500.00

(iii) Total - Rs. 35,58,308.79

GFR 12A

GENERAL FINANCIAL RULES 2017
Ministry of Finance
Department of Expenditure

Certified that I have satisfied myself the condition on which grants were sanctioned have been duly fulfilled /are being fulfilled and that I have exercised following checks to see that the money has been actually utilized for the purpose for which it was sanctioned :

(i) The main accounts and other subsidiary accounts and registers (including assets registers) are maintained as prescribed in the relevant Act/Rules/Standing instructions (mention the Act/Rules) and have been duly audited by designated auditors. The figures depicted above tally with the audited figures mentioned in financial statements/accounts.

(ii) There exist internal controls for safeguarding public funds/assets, watching outcomes and achievements of physical targets against the financial inputs, ensuring quality in asset creation etc. & the periodic evaluation of internal controls is exercised to ensure their effectiveness.

(iii) To the vest of our knowledge and belief, on transactions have been entered that are in violation of relevant Act/Rules/standing instructions and scheme guidelines.

(iv) The responsibilities among the key functionaries for execution of the scheme have been assigned in clear terms and are not general in nature.

(v) The benefits were extended to the intended beneficiaries and only such areas/districts were covered where the scheme was intended to operate.

(vi) The expenditure on various components of the scheme was in the proportions authorized as per the scheme guidelines and terms and conditions of the grants-in-aid.

(vii) It has been ensured that the physical and financial performance under .... (name of the scheme has been according to the requirements, as prescribed in the guidelines issued by Govt. of India and the performance/targets achieved statement for the year to which the utilization of the fund resulted in outcomes given at Annexure – I duly enclosed.

(viii) The Utilization of the fund resulted in outcomes given at Annexure – II duly enclosed (to be formulated by the Ministry/Department concerned as per their requirements/specifications.)

(ix) Details of various schemes executed by the agency through grants-in-aid received from the same Ministry or from other Ministries is enclosed at Annexure – II (to be formulated by the Ministry Department concerned as per their requirements/specifications).

Date :
Place:

(Jagdish Chandra Sharma)
Treasurer

(Dr. Jeet Ram Bhatt)
Director

डॉ० गो० गि० ला० शा० प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान

दिल्ली सरकार

प्लाट नं.5, झण्डेवालान, करोल बाग, नई दिल्ली 110005

वर्ष 2024-2025 का ट्रायल बैलेंस

S.No.	Particular	Dr. Amount(Rs)	Cr. Amount(Rs)
1	अचल सम्पत्तियाँ	1,569,145.17	0.00
2	बैंक - चालू खाता	3,376,306.49	0.00
3	बैंक - बचत खाता	176,985.30	0.00
4	रोकड़	3,517.00	0.00
5	पूंजी संचय	0.00	4,251,330.24
6	अनुदान	0.00	10,319,000.00
7	वेतन	5,157,916.00	0.00
8	दूरभाष धरोहर राशि	1,500.00	0.00
9	दूरभाष	56,962.00	0.00
10	मार्गव्यय	396,736.00	0.00
11	पुस्तक प्रकाशन	119,304.00	0.00
12	विविध व्यय	172,765.00	0.00
13	स्टेशनरी	258,757.08	0.00
14	डाक	4,000.00	0.00
15	कार्यालय रखरखाव/उपकरण/साज सज्जा	103,919.00	0.00
16	परीक्षा सम्बन्धी कार्य	81,000.00	0.00
17	पुस्तक विक्रय से प्राप्त आय	0.00	45,163.80
18	लेखा परीक्षा शुल्क	15,340.00	0.00
19	बैंक व्यय- चालू खाता	0.00	0.00
20	पुस्तकालय	2,235.00	
21	परिचर्चा- नई शिक्षा नीति में पारम्परिक संस्कृत विद्यालयों की भूमिका	28,088.00	0.00
22	समाचार-पत्र	11,024.00	0.00
23	संस्कृत गुरुकुलीय सम्मेलन	299,367.00	0.00
24	शोध संगोष्ठी- शास्त्रीय अनुसंधान के महत्वपूर्ण आयाम	20,714.00	0.00
25	शोध-संगोष्ठी - वर्तमान में संस्कृत शास्त्रों के अनुसंधान कार्यों की उपयोगिता	19,300.00	0.00
26	शोध-संगोष्ठी- प्रशासन और समाज के मध्य संचार एवं पत्रकारिता की भूमिका	17,885.00	0.00
27	स्वतंत्रता दिवस एवं संस्कृत दिवस पर गुरुकुलीय सांस्कृतिक कार्यक्रम	52,879.00	0.00
28	शोध-संगोष्ठी - आधुनिक संस्कृत साहित्य एवं संचार व पत्रकारिता	23,460.00	0.00

S. MUKHERJEE & ASSOCIATES ★ F.No. 010603N NEW DELHI ★ CHARTERED ACCOUNTANTS

29	शोध संगोष्ठी- शोध अनुसंधान के सम्बन्ध में संस्कृत वाङ्मय का दिग्दर्शन	18,494.00	0.00
30	परिचर्चा- संस्कृत पाट्यचर्या में संगीत एवं नाट्य महत्व	17,105.00	0.00
31	संगोष्ठी- गुरुकुलीय व्यवस्था में प्रशासनिक सतर्कता की आवश्यकता	24,905.00	0.00
32	वेदमन्त्र अन्त्याक्षरी प्रतियोगिता	59,443.00	0.00
33	संस्कृत व्यवहार शिविर- 1	75,981.00	0.00
34	संस्कृत वाद-विवाद प्रतियोगिता	68,083.00	0.00
35	व्याकरण-सूत्र अन्त्याक्षरी प्रतियोगिता	56,348.00	0.00
36	संस्कृत लघु नाटक प्रतियोगिता	125,710.00	0.00
37	श्लोकान्त्याक्षरी प्रतियोगिता	53,348.00	0.00
38	संस्कृत व्यवहार शिविर-2	46,696.00	0.00
39	संस्कृत भाषण प्रतियोगिता	56,348.00	0.00
40	संस्कृत व्यवहार शिविर- 3	44,937.00	0.00
41	संस्कृत गीत प्रतियोगिता	73,996.00	0.00
42	संस्कृत व्यवहार शिविर- 4	45,775.00	0.00
43	संगोष्ठी- पत्रकारिता क्षेत्रे संस्कृतस्य योगदानम्	46,178.00	0.00
44	शोध व्याख्यानमाला- अनुसंधान कार्ये विधि प्रक्रिया	51,516.00	0.00
45	संस्कृत नाट्य समारोह	544,662.00	0.00
46	संस्कृत व्यवहार शिविर- 5	72,751.00	0.00
47	शोध व्याख्यानमाला- वर्तमाने संस्कृताधारिता पत्रकारिता	47,483.00	0.00
48	संस्कृत गुरुकुलीय छात्र सम्मेलन	73,160.00	0.00
49	प्रतियोगिता पुरस्कार वितरण समारोह	84,300.00	0.00
50	राष्ट्रीय कवि सम्मेलन	7,100.00	0.00
51	संगोष्ठी- गणतन्त्रे मतदृणां भूमिका महत्वंच	11,580.00	0.00
52	शोध-संगोष्ठी- भारतीय वाङ्मय में आधुनिक तकनीक ए०आई० के सूत्र	12,311.00	0.00
53	संगोष्ठी- राष्ट्रीय विकास में गुरुकुलीय शिक्षा पद्धति की भूमिका	15,377.00	0.00
54	परिचर्चा- प्राच्य विद्याओं में विज्ञान के सूत्र	14,680.00	0.00
55	संस्कृत गुरुकुलीय खेल प्रतियोगिता	783,501.00	0.00
56	संगोष्ठी- प्राच्यविद्यासु वर्णिता सामाजिक व्यवस्था	8,090.00	0.00
57	परिचर्चा- संस्कृत वाङ्मयाधारिता शिक्षा पद्धति	11,925.00	0.00
58	संगोष्ठी- स्वाध्याय प्रवचनयोः महत्वम्	8,100.00	0.00
59	संस्कृत नाट्य कार्यशाला	210,000.00	0.00
60	संगोष्ठी- नवीन शिक्षा नीतिः गुरुकुल पद्धति च	12,400.00	0.00
61	परिचर्चा- गुरुकुलीय छात्राणां सर्वांगीण विकासः	12,642.00	0.00
62	शोध व्याख्यानमाला- शोध के परिदृश्य में वादे-वादे जायते तत्वबोध का सन्दर्भ	7,500.00	0.00

S. MUKHERJEE & ASSOCIATES
CA
F.No. 010603N
NEW DELHI
CHARTERED ACCOUNTANTS

63	परिचर्चा- संस्कृत शास्त्रों में वर्णित आजिविका के विषय	8,635.00	0.00
64	ब्याज से प्राप्त आय	0.00	1,652.00
65	पुरस्कार वितरण समारोह	0.00	0.00
66	विविध आय	0.00	9,610.00
67	फीस से प्राप्त आय	0.00	120,559.00
68	व्याकरण-सूत्र अन्त्याक्षरी प्रतियोगिता	0.00	1,250.00
69	श्लोकान्त्याक्षरी प्रतियोगिता	0.00	2,000.00
70	संस्कृत गीत प्रतियोगिता	0.00	10,700.00
71	वेदमन्त्र अन्त्याक्षरी प्रतियोगिता	0.00	3,750.00
72	संस्कृत भाषण प्रतियोगिता	0.00	1,250.00
73	गुरुकुलीय खेल प्रतियोगिता	0.00	1,000.00
74	संस्कृत लघु नाटक प्रतियोगिता	0.00	12,900.00
	कुल योग	14,780,165.04	14,780,165.04

As per Our Audit Report of even date attached

S. Mukherjee & Associates
Chartered Accountants
Firm Reg No. - 10603N
C. A. S. MuKherjee (FCA)
Partner.
M.No.87605

(Jagdish Chandra Sharma)
Treasurer
PLACE - DELHI
DATE 31/07/25

(Dr. Jeet Ram Bhatt)
Director

डॉ० गो० गि० ला० शा० प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान

दिल्ली सरकार

प्लाट नं. 5 झण्डेवालान करोलबाग नई दिल्ली – 110005

प्राप्ति एवं भुगतान खाता 01-04-2024 से 31-03-2025 तक

प्राप्तियाँ	2024-25	2023-2024	भुगतान	2024-25	2023-2024
	राशि	राशि		राशि	राशि
प्रारम्भिक शेष			वेतन	5157916.00	4936816.00
बैंक(चालू खाता)-26,41,702.57			समाचार पत्र	11024.00	5936.00
बैंक(बचत खाता)-26613.50			विविध व्यय	172765.00	138999.00
रोकड़- 12369.00	2680685.07	2496902.95	मार्गव्यय	396736.00	438948.00
अनुदान	10319000.00	8508000.00	स्टेशनरी	258757.08	212316.16
पाठ्यपुस्तक के विक्रय से प्राप्त आय	45163.80	19312.00	बैंक चार्ज (चालू खाता+बचत खाता)	0.00	3009.00
विविध आय	9610.00	2717.00	लेखा परीक्षा शुल्क	15340.00	13000.00
ब्याज से प्राप्त आय	1652.00	521.00	डाक	4000.00	2000.00
गुरुकुलीय खेल प्रतियोगिता	1000.00	51000.00	दूरभाष	56962.00	47541.00
पुरस्कार वितरण समारोह	0.00	8000.00	परीक्षा सम्बन्धी कार्य	81000.00	72000.00
फीस से प्राप्त आय	120559.00	0.00	पुस्तक प्रकाशन	119304.00	4496.00
व्याकरण-सूत्र अन्त्याक्षरी प्रतियोगिता	1250.00	0.00	ग्रीष्मकालीन शिविर	0.00	514965.00
श्लोकान्त्याक्षरी प्रतियोगिता	2000.00	0.00	कार्यालय उपकरण	0.00	36550.00
संस्कृत गीत प्रतियोगिता	10700.00	0.00	कार्यालय रखरखाव एवं साज सज्जा	103919.00	109664.72
वेदमन्त्र अन्त्याक्षरी प्रतियोगिता	3750.00	0.00	गुरुकुलीय खेल प्रतियोगिता	783501.00	0.00
संस्कृत भाषण प्रतियोगिता	1250.00	0.00	पुस्तकालय	2235.00	0.00
संस्कृत लघु नाटक प्रतियोगिता	12900.00	0.00	संस्कृत व्यवहार शिविर - 1	75981.00	52120.00
			संस्कृत व्यवहार शिविर- 2	46696.00	0.00
			संस्कृत व्यवहार शिविर- 3	44937.00	0.00
			संस्कृत व्यवहार शिविर- 4	45775.00	0.00
			संस्कृत व्यवहार शिविर- 5	72751.00	0.00
			शोध प्रबन्ध कार्यशाला	0.00	6360.00
			प्रमाण-पत्र वितरण समारोह	0.00	16000.00
			स्वतन्त्रता दिवस के उपलक्ष्य पर सांस्कृतिक कार्यक्रम	52879.00	64066.00
			संस्कृत दिवस पर प्राच्य विद्या संगोष्ठी	0.00	53239.00
			परिचर्चा- भारतीय संस्कृति में गुरुकुलीय शिक्षा का योगदान	0.00	24779.00
			वेदमन्त्र अन्त्याक्षरी प्रतियोगिता	59443.00	76930.00

S. MUKHERJEE & ASSOCIATES CHARTERED ACCOUNTANTS F.No. 010603N NEW DELHI

31/07/25

			व्याकरण-सूत्र अन्त्याक्षरी प्रतियोगिता	56348.00	55730.00
			शोध संगोष्ठी- महर्षि वाल्मीकि जयन्ती के उपलक्ष्य पर	0.00	13657.00
			संस्कृत वाद-विवाद प्रतियोगिता	68083.00	74630.00
			संगोष्ठी- वर्तमान में भारतीय भाषाओं की स्थिति	0.00	31960.00
			श्लोकान्त्याक्षरी प्रतियोगिता	53348.00	62680.00
			संस्कृत भाषण प्रतियोगिता	56348.00	62730.00
			संस्कृत गीत प्रतियोगिता	73996.00	87112.00
			संस्कृत लघु नाटक प्रतियोगिता	125710.00	168568.00
			प्रतियोगिता पुरस्कार वितरण समारोह	84300.00	191766.00
			परिचर्चा- वर्तमान में संस्कृत पत्रकारिता की स्थिति	0.00	11098.00
			संगोष्ठी- नई शिक्षा नीति में संस्कृत विद्यालयों में नाट्य शिक्षण	0.00	24225.00
			संस्कृत नाट्य समारोह	544662.00	504369.00
			संगोष्ठी- शोध प्रक्रिया में आधुनिक संसाधनों की भूमिका	0.00	16862.00
			शोध संगोष्ठी- संस्कृत शास्त्रों में आधुनिक संचार एवं आधुनिक पत्रकारिता	0.00	20962.00
			संस्कृत नाट्य कार्यशाला	210000.00	180000.00
			शोध संगोष्ठी- आधुनिक साहित्य के क्षेत्र में संचार एवं पत्रकारिता	0.00	18700.00
			शोध संगोष्ठी- संस्कृत की पारम्परिक शिक्षा के साथ संचार एवं पत्रकारिता	0.00	17084.00
			शोध संगोष्ठी- वैदिक कालीन सभ्यता तथा संचार एवं पत्रकारिता	0.00	15700.00
			शोध संगोष्ठी- कौटिल्य अर्थशास्त्र एवं आधुनिक प्रशासन में संचार एवं पत्रकारिता का महत्त्व	0.00	13200.00
			परिचर्चा- नई शिक्षा नीति में पारम्परिक संस्कृत विद्यालयों की भूमिका	28088.00	

S. MUKHERJEE & ASSOCIATES
CA
F.No.-010603N
NEW DELHI
CHARTERED ACCOUNTANTS

			सं.कृत गुरुकुलीय सम्मेलन	[illegible]9367.00	
			शोध संगोष्ठी-शास्त्रीय अनुसंधान के महत्वपूर्ण आयाम	20714.00	
			शोध संगोष्ठी- वर्तमान में संस्कृत शास्त्रों के अनुसंधान कार्यों की उपयोगिता	19300.00	
			शोध संगोष्ठी- प्रशासन और समाज के मध्य संचार एवं पत्रकारिता की भूमिका	17885.00	
			शोध संगोष्ठी- आधुनिक संस्कृत साहित्य एवं संचार व पत्रकारिता	23460.00	
			शोध संगोष्ठी- शोध अनुसंधान के सम्बन्ध में संस्कृत वाङ्मय का दिग्दर्शन	18494.00	
			परिचर्चा- संस्कृत पाठ्चर्या में संगीत एवं नाट्य महत्व	17105.00	
			संगोष्ठी- गुरुकुलीय व्यवस्था में प्रशासनिक सतर्कता की आवश्यकता	24905.00	
			संगोष्ठी- पत्रकारिता क्षेत्रे संस्कृतस्य योगदानम्	46178.00	
			शोध व्याख्यानमाला- अनुसंधान कार्ये विधि प्रक्रिया	51516.00	
			शोधव्याख्यानमाला- वर्तमाने संस्कृताधारित पत्रकारिता	47483.00	
			संस्कृत गुरुकुलीय छात्र सम्मेलन	73160.00	
			राष्ट्रीय कवि सम्मेलन	7100.00	
			संगोष्ठी- - गणतन्त्रे मतदूणां भूमिका महत्वंच	11580.00	
			शोध संगोष्ठी- भारतीय वाङ्मय में आधुनिक तकनीक ए०आई० के सूत्र	12311.00	
			संगोष्ठी- राष्ट्रीय विकास में गुरुकुलीय शिक्षा पद्धति की भूमिका	15377.00	
			परिचर्चा- प्राच्य विद्याओं में विज्ञान के सूत्र	14680.00	
			संगोष्ठी- प्राच्यविद्यासु वर्णिता सामाजिक व्यवस्था	8090.00	
			परिचर्चा- संस्कृत वाङ्मयाधारित शिक्षा पद्धति	11925.00	
			संगोष्ठी- स्वाध्याय प्रवचनयोः महत्वम्	8100.00	

S. MUKHERJEE & ASSOCIATES
CA
F.No. 010003N
NEW DELHI
CHARTERED ACCOUNTANTS

			संगोष्ठी- नवीन शिक्षा नीतिः गुरुकुल पद्धति च	12400.00	
			परिचर्चा- गुरुकुलीय छात्राणां सर्वांगीण विकासः	12642.00	
			शोध व्याख्यानमाला- शोध के परिदृश्य में वादे-वादे जायते तत्वबोध का सन्दर्भ	7500.00	
			परिचर्चा- संस्कृत शास्त्रों में वर्णित आजिविका के विषय	8635.00	
			योग	9652711.08	8405767.88
			अन्तिम शेषः-बैंक (चालू खाता)-3376306.49	3556808.79	2680685.07
			अन्तिम शेषः-बैंक (बचत खाता)-176985.30		
			रोकड़- 3517.00		
सम्पूर्ण योग	13209519.87	11086452.95	सम्पूर्ण योग	13209519.87	11086452.95

As per Our Audit Report of
S. Mukherjee & Associates
Chartered Accountants
Firm Reg No. - 10603N

(Jagdish chandra Sharma)
Treasurer
PLACE - DELHI
Date :- 31/07/25

(Dr. Jeet Ram Bhatt)
Director

A. S. Mukherjee (FCA)
Partner.
M.No.87605

डॉ० गो० गि० ला० शा० प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान

दिल्ली सरकार

प्लाट नं. 5 झण्डेवालान करोलबाग नई दिल्ली - 110005

आय एवं व्यय खाता 01-04-2024 से 31-03-2025 तक

	2024-2025	2023-2024		2024-2025	2023-2024
व्यय	राशि	राशि	आय	राशि	राशि
वेतन	5157916.00	4936816.00	अनुदान	10319000.00	8508000.00
समाचार पत्र	11024.00	5936.00	पाठ्यपुस्तक के विक्रय से प्राप्त आय	45163.80	19312.00
विविध व्यय	172765.00	138999.00	ब्याज से प्राप्त आय	1652.00	521.00
मार्गव्यय	396736.00	438948.00	गुरुकुलीय खेल प्रतियोगिता	1000.00	51000.00
स्टेशनरी	258757.08	212316.16	पुरस्कार वितरण समारोह	0.00	8000.00
डाक	4000.00	2000.00	विविध आय	9610.00	2717.00
बैंक चार्ज (चालू खाता+बचत खाता)	0.00	3009.00	फीस से प्राप्त आय	120559.00	0.00
लेखा परीक्षा शुल्क	15340.00	13000.00	व्याकरण-सूत्र अन्त्याक्षरी प्रतियोगिता	1250.00	0.00
दूरभाष	56962.00	47541.00	श्लोकान्त्याक्षरी प्रतियोगिता	2000.00	0.00
पुस्तकालय	2235.00	0.00	संस्कृत गीत प्रतियोगिता	10700.00	0.00
परीक्षा सम्बन्धी कार्य	81000.00	72000.00	वेदमन्त्र अन्त्याक्षरी प्रतियोगिता	3750.00	0.00
पुस्तक प्रकाशन	119304.00	4496.00	संस्कृत भाषण प्रतियोगिता	1250.00	0.00
गुरुकुलीय खेल प्रतियोगिता	783501.00	0.00	संस्कृत लघुनाटक प्रतियोगिता	12900.00	0.00
संस्कत व्यवहार शिविर - 1	75981.00	0.00			
संस्कृत व्यवहार शिविर- 2	46696.00	0.00			
संस्कृत व्यवहार शिविर- 3	44937.00	0.00			
संस्कृत व्यवहार शिविर- 4	45775.00	52120.00			
संस्कृत व्यवहार शिविर- 5	72751.00	0.00			
परिचर्चा- नई शिक्षा नीति में पारम्परिक संस्कृत विद्यालयों की भूमिका	28088.00	0.00			
संस्कृत गुरुकुलीय सम्मेलन	299367.00	0.00			
शोध संगोष्ठी-शास्त्रीय अनुसंधान के महत्वपूर्ण आयाम	20714.00	0.00			

S. MUKHERJEE & ASSOCIATES
CA
F.No. 010603N
NEW DELHI
CHARTERED ACCOUNTANTS

शोध संगोष्ठी- वर्तमान में संस्कृत शास्त्रों के अनुसंधान कार्यों की उपयोगिता	19300.00	0.00			
शोध संगोष्ठी- प्रशासन और समाज के मध्य संचार एवं पत्रकारिता की भूमिका	17885.00	0.00			
शोध संगोष्ठी- आधुनिक संस्कृत साहित्य एवं संचार व पत्रकारिता	23460.00	0.00			
शोध संगोष्ठी- शोध अनुसंधान के सम्बन्ध में संस्कृत वाङ्मय का दिग्दर्शन	18494.00	0.00			
परिचर्चा- संस्कृत पाठ्यचर्या में संगीत एवं नाट्य महत्त्व	17105.00	0.00			
संगोष्ठी- गुरुकुलीय व्यवस्था में प्रशासनिक सतर्कता की आवश्यकता	24905.00	0.00			
कार्यालय रखरखाव एवं साज-सज्जा	103919.00	109664.72			
ग्रीष्मकालीन शिविर	0.00	514965.00			
प्रमाण-पत्र वितरण समारोह	0.00	16000.00			
शोध प्रबन्ध कार्यशाला	0.00	6360.00			
स्वतन्त्रता दिवस के उपलक्ष्य पर सांस्कृतिक कार्यक्रम	52879.00	64066.00			
संस्कृत दिवस पर प्राच्य विद्या संगोष्ठी	0.00	53239.00			
परिचर्चा- भारतीय संस्कृति में गुरुकुलीय शिक्षा का योगदान	0.00	24779.00			
वेदमन्त्र अन्त्याक्षरी प्रतियोगिता	59443.00	76930.00			
व्याकरण सूत्र अन्त्याक्षरी प्रतियोगिता	56348.00	55730.00			
शोध संगोष्ठी- महर्षि वाल्मीकि जयन्ती के उपलक्ष्य पर		18657.00			
संस्कृत वाद-विवाद प्रतियोगिता	68083.00	74630.00			
संगोष्ठी- वर्तमान में भारतीय भाषाओं की स्थिति	0.00	31960.00			
श्लोकान्त्याक्षरी प्रतियोगिता	53348.00	62680.00			
संस्कृत भाषण प्रतियोगिता	56348.00	62730.00			
संस्कृत गीत प्रतियोगिता	73996.00	87112.00			
संस्कृत लघु नाटक प्रतियोगिता	125710.00	168568.00			
प्रतियोगिता पुरस्कार वितरण समारोह	84300.00	191766.00			

K. MUKHERJEE & ASSOCIATES
CHARTERED ACCOUNTANTS
NEW DELHI

परिचर्चा- वर्तमान में संस्कृत पत्रकारिता की स्थिति	0.00	11098.00			
संगोष्ठी- नई शिक्षा नीति में संस्कृत विद्यालयों में नाट्य शिक्षण	0.00	24225.00			
संस्कृत नाट्य समारोह	544662.00	504369.00			
संगोष्ठी- शोध प्रक्रिया में आधुनिक संसाधनों की भूमिका	0.00	16862.00			
शोध संगोष्ठी- संस्कृत शास्त्रों में आधुनिक संचार एवं आधुनिक पत्रकारिता	0.00	20962.00			
संस्कृत नाट्य कार्यशाला	210000.00	180000.00			
शोध संगोष्ठी- आधुनिक साहित्य के क्षेत्र में संचार एवं पत्रकारिता	0.00	18700.00			
शोध संगोष्ठी- संस्कृत की पारम्परिक शिक्षा के साथ संचार एवं पत्रकारिता	0.00	17084.00			
शोध संगोष्ठी- वैदिक कालीन सभ्यता तथा संचार एवं पत्रकारिता	0.00	15700.00			
शोध संगोष्ठी- कौटिल्य अर्थशास्त्र एवं आधुनिक प्रशासन में संचार एवं पत्रकारिता का महत्त्व	0.00	13200.00			
संगोष्ठी- पत्रकारिता क्षेत्रे संस्कृतस्य योगदानम्	46178.00				
शोध व्याख्यानमाला- अनुसंधान कार्य विधि प्रक्रिया	51516.00				
शोधव्याख्यानमाला- वर्तमाने संस्कृताधारिता पत्रकारिता	47483.00				
संस्कृत गुरुकुलीय छात्र सम्मेलन	73160.00				
राष्ट्रीय कवि सम्मेलन	7100.00				
संगोष्ठी- - गणतन्त्रे मतदृणां भूमिका महत्त्वंच	11580.00				

S. MUKHERJEE & ASSOCIATES CHARTERED ACCOUNTANTS NEW DELHI

शोध संगोष्ठी- भारतीय वाङ्मय में आधुनिक तकनीक ए०आई० के सूत्र	12311.00				
संगोष्ठी- राष्ट्रीय विकास में गुरुकुलीय शिक्षा पद्धति की भूमिका	15377.00				
परिचर्चा- प्राच्य विद्याओं में विज्ञान के सूत्र	14680.00				
संगोष्ठी- प्राच्यविद्यासु वर्णिता सामाजिक व्यवस्था	8090.00				
परिचर्चा- संस्कृत वाङ्मयाधारिता शिक्षा पद्धति	11925.00				
संगोष्ठी- स्वाध्याय प्रवचनयोः महत्त्वम्	8100.00				
संगोष्ठी- नवीन शिक्षा नीतिः गुरुकुल पद्धति च	12400.00				
परिचर्चा- गुरुकुलीय छात्राणां सर्वांगीण विकासः	12642.00				
शोध व्याख्यानमाला- शोध के परिदृश्य में वादे-वादे जायते तत्वबोध का सन्दर्भ	7500.00				
परिचर्चा- संस्कृत शास्त्रों में वर्णित आजिविका के विषय	8635.00				
योग	9652711.08	8369217.88	योग	10528834.80	8589550.00
व्यय से आय की अधिकता	876123.72	220332.12	आय से व्यय की अधिकता	0.00	0.00
कुल योग	10528834.80	8589550.00	कुल योग	10528834.80	8589550.00

As per Our Audit Report
of even date attached
S. Mukherjee & Associates
Chartered Accountants
Firm Reg No. - 10603N

S. MUKHERJEE & ASSOCIATES * CHARTERED ACCOUNTANTS * F.No. 010603N NEW DELHI

(Jagdish chandra Sharma)
Treasurer
PLACE - DELHI
DATE 31/07/25

(Dr. Jeet Ram Bhatt)
Director

C. A. S. MuKherjee (FCA)
Partner.
M.No.87605

डॉ० गो० गि० ला० शा० प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान
दिल्ली सरकार
प्लाट नं. 5 झण्डेवालान करोलबाग नई दिल्ली – 110005

आर्थिक चिटठा 31-03-2025 तक

दायित्व	2024-2025	2023-2024	सम्पत्तियाँ	2024-2025	2023-2024
पिछला शेष	4251330.24	4030998.12	सम्पत्तियाँ 2023-2024	1569145.17	1532595.17
आय एवं व्यय खाते से स्थानानतरित			2024-2025 की सम्पत्तियाँ		
जोड़:- व्यय से आय की अधिकता	876123.72	220332.12			
	5127453.96	4251330.24	प्रिन्टर्स	0.00	0.00
			कम्प्यूटरर्स	0.00	0.00
			कर्मचारी टेबल	0.00	0.00
			छोटी स्टील अल्मीरा	0.00	0.00
			बड़ी स्टील अल्मीरा	0.00	0.00
			बुक सेल्फ	0.00	0.00
			विजीटर्स कुर्सी	0.00	0.00
			अधिकारी टेबल	0.00	0.00
			कानफेर्नस बड़ी टेबल	0.00	0.00
			सोफा सेट	0.00	36550.00
			योग	1569145.17	1569145.17
			दूरभाष धरोहर राशि	1500.00	1500.00
			तरल सम्पत्तियाँ कार्यालय में		
			बैंक(चालू खाता)- 3376306.49		
			बैंक बचत खाता)- 176985.30		
			रोकड़- 3517.00	3,556,808.79	2,680,685.07
योग	5127453.96	4251330.24	योग	5127453.96	4251330.24

As per Our Audit Report of
even date attached
S. Mukherjee & Associates
Chartered Accountants
Firm Reg No. - 10603N
31/07/2

C. A. S. MuKherjee (FCA)
Partner.
M.No.87605

(Dr. Jeet Ram Bhatt)
Director

(Jagdish Chandra Sharma)
Treasurer
PLACE - DELHI
DATE 31/07/25

डॉ० गो० गि० ला० शा० प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान

दिल्ली सरकार

प्लाट नं. 5 झण्डेवालान करोलबाग नई दिल्ली - 110005

दिनांक 31-03-2025 तक सम्पत्तियों का विवरण

वर्ष	01-04-2005 को शेष	व्ययीकरण किया गया	जोड़ा गया	अन्तिम शेष 31-03-2006
Year 2005-2006				
कुर्सी		0.00	109192.00	
टेबल (वुडन)		0.00	32837.00	
अलमारी (स्टील-गोदरेज)		0.00	22757.00	
कम्प्यूटर (२)/प्रिंटर (२)		0.00	85163.00	
योग	0.00	0.00	249949.00	249949.00
Year 2006-2007	01-04-2006 को शेष	व्ययीकरण किया गया	जोड़ा गया	अन्तिम शेष 31-03-2007
योग	0.00			249949.00
Year 2007-2008	01-04-2007 को शेष	व्ययीकरण किया गया	जोड़ा गया	अन्तिम शेष 31-03-2008
लेजर प्रिंटर	0.00	0.00	7946.00	
अलमारी (३)/बुक सेल्फ (३)	0.00	0.00	34236.00	
मोबाईल सेट	0.00	0.00	2000.00	
यू. पी. एस.	0.00	0.00	3700.00	
योग	249949.00	0.00	47882.00	297831.00
Year 2008-2011	01-04-2008 को शेष	व्ययीकरण किया गया	जोड़ा गया	अन्तिम शेष 31-03-2011
योग	297831.00	0.00	0.00	297831.00
Year 2011-2012	01-04-2011 को शेष	व्ययीकरण किया गया	जोड़ा गया	अन्तिम शेष 31-03-2012
मोबाईल सेट	0.00	0.00	2250.00	
योग	297831.00	0.00	2250.00	300081.00
Year 2012-2013	01-04-2012 को शेष	व्ययीकरण किया गया	जोड़ा गया	अन्तिम शेष 31-03-2013
अलमारी (५)	0.00	0.00	42407.00	
मोबाईल सेट	0.00	0.00	2800.00	
मानीटर	0.00	0.00	6100.00	

S. MUKHERJEE & ASSOCIATES CHARTERED ACCOUNTANTS NEW DELHI

योग	300081.00	0.00	51307.00	351388.00
Year 2013-2014	01-04-2013 को शेष	व्ययीकरण किया गया	जोड़ा गया	अन्तिम शेष 31-03-2014
मोबाईल सेट	0.00	0.00	11000.00	
लेपटाप	0.00	0.00	47235.00	
प्रिंटर्स	0.00	0.00	25283.00	
यू. पी. एस.	0.00	0.00	5783.00	
वी.आई.पी. बैग	0.00	0.00	3625.00	
हीट कनवर्टर	0.00	0.00	7180.00	
बायोमैट्रि मशीन	0.00	0.00	8438.00	
योग	351388.00	0.00	108544.00	459932.00
Year 2014-2015	01-04-2014 को शेष	व्ययीकरण किया गया	जोड़ा गया	अन्तिम शेष 31-03-2015
मोबाईल सेट	0.00	0.00	10000.00	
योग	459932.00	0.00	10000.00	469932.00
Year 2015-2016	01-04-2015 को शेष	व्ययीकरण किया गया	जोड़ा गया	अन्तिम शेष 31-03-2016
		2015-2016	2015-2016	
कम्प्यूटर्स (२)	0.00	0.00	131676.00	
प्रिन्टर्स (२)	0.00	0.00	24717.00	
योग	469932.00	0.00	156393.00	626325.00
Year 2016-2017	01-04-2016 को शेष	व्ययीकरण किया गया	जोड़ा गया	अन्तिम शेष 31-03-2017
		2016-2017	2016-2017	
मोबाईल सेट	0.00	0.00	10000.00	
योग	626325.00	0.00	10000.00	636325.00
Year 2017-2018	01-04-2017 को शेष	व्ययीकरण किया गया	जोड़ा गया	अन्तिम शेष 31-03-2018
		2017-2018	2017-2018	
योग	636325.00	0.00	0.00	636325.00
Year 2018-2019	01-04-2018 को शेष	व्ययीकरण किया गया	जोड़ा गया	अन्तिम शेष 31-03-2019
		2018-2019	2018-2019	
योग	636325.00	0.00	0.00	636325.00

S. MUKHERJEE & ASSOCIATES CHARTERED ACCOUNTANTS NEW DELHI

Year 2019-2020	01-04-2019 को शेष	व्ययीकरण किया गया	2019-2020	अन्तिम शेष 31-03-2020
प्रारम्भिक शेष	636325.00	0.00	0.00	
फोटोस्टेट मशीन	0.00	0.00	94991.00	
पंखा	0.00	0.00	1846.70	
हॉट केस	0.00	0.00	3791.20	
योग	636325.00	0.00	100628.90	736953.90
Year 2020-2021	**01-04-2020 को शेष**	**व्ययीकरण किया गया**	**2020-2021**	**अन्तिम शेष 31-03-2021**
प्रारम्भिक शेष	736953.90	0.00	0.00	
स्टील अलमीरा (01)	0.00	0.00	16200.00	
बुक सैल्फ (03)	0.00	0.00	24510.78	
प्लास्टिक कूलर (02)	0.00	0.00	22600.00	
पंखा (02)	0.00	0.00	3350.00	
फ्रिज (01)	0.00	0.00	23380.00	
एल०ई०डी० टीवी० (01)	0.00	0.00	18797.00	
ी०सी०टीवी० कैमरा डीवीआर चार चैनल (0	0.00	0.00	3540.00	
सी०पी० बुलेट कैमरा (04)	0.00	0.00	7080.00	
सी०सी०टीवी० कैमरा मौनीटर (01)	0.00	0.00	10266.00	
थ्री सिटर विजीटर बैंच (01)	0.00	0.00	8489.49	
बैट्ररी स्टैपर (01)	0.00	0.00	2576.00	
योग	736953.90	0.00	140789.27	877743.17
Year 2021-2022	**01-04-2021 को शेष**	**व्ययीकरण किया गया**	**2021-2022**	**अन्तिम शेष 31-03-2022**
प्रारम्भिक शेष	877743.17	0.00	0.00	
इन्डक्शन चूल्हा (01)	0.00	0.00	2673.00	
केन्ट वाटर आर०ओ० सिस्टम (01)	0.00	0.00	18945.00	
इन्वर्टर+बैट्ररी+ट्रौली (01)	0.00	0.00	21999.00	
योग	877743.17	0.00	43617.00	921360.17
Year 2022-2023	**01-04-2022 को शेष**	**व्ययीकरण किया गया**	**2022-2023**	**अन्तिम शेष 31-03-2023**
प्रारम्भिक शेष	921360.17	0	0	
प्रिन्टर्स (4)	0.00	0.00	116408.00	
कम्प्यूटरर्स (02)	0.00	0.00	130000.00	
कर्मचारी टेबल (5)	0.00	0.00	49900.00	
छोटी स्टील अल्मीरा (01)	0.00	0.00	9990.00	
बड़ी स्टील अल्मीरा (03)	0.00	0.00	36000.00	
बुक सेल्फ (03)	0.00	0.00	34500.00	
विजीटर्स कुर्सी (09)	0.00	0.00	49950.00	
अधिकारी टेबल (01)	0.00	0.00	50000.00	
कानफ्रेंस बड़ी टेबल (01)	0.00	0.00	20000.00	
योग	921360.17	0.00	496748.00	1418108.17

S. MUKHERJEE & ASSOCIATES
CHARTERED ACCOUNTANTS
F.No. 010603N
NEW DELHI

Year 2023-2024	01-04-2023 को शेष	व्ययीकरण किया गया	2023-2024	अन्तिम शेष 31-03-2024
प्रारम्भिक शेष	1418108.17	0	0	
सोफासेट (1)	0.00	0.00	36550.00	1454658.17
Year 2024-2025	**01-04-2024 को शेष**	**व्ययीकरण किया गया**	**2023-2024**	**अन्तिम शेष 31-03-2024**
प्रारम्भिक शेष	1454658.17	0	0	1454658.17
	0.00	0.00	0.00	1454658.17

(Jagdish chandra Sharma)
Treasurer
PLACE - DELHI
DATE 31/07/25

(Dr. Jeet Ram Bhatt)
Director

S. MUKHERJEE & ASSOCIATES CHARTERED ACCOUNTANTS F.No.: 010603N NEW DELHI

31/07/25
C. A. S. MuKherjee (FCA)
Partner.
M.No.87605

डॉ० गो० गि० ला० शा० प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान
दिल्ली सरकार
प्लाट नं. 5 झण्डेवालान करोलबाग नई दिल्ली - 110005
31-03-2025 को पुस्तकालय का विवरण

वर्ष	राशि
2006-2007	83187.00
2007-2008	3018.00
2008-2009	898.00
2009-2010	226.00
2010-2011	3090.00
2011-2012	3270.00
2012-2013	10286.00
2013-2014	4292.00
2014-2015	1720.00
2015-2016	290.00
2016-2017	900.00
2017-2018	990.00
2018-2019	2320.00
2019-2020	0.00
2020-2021	0.00
2021-2022	0.00
2022-2023	0.00
2023-2024	0.00
2024-2025	0.00
कुल योग	114487.00

As per Our Audit Report of
even date attached
S. Mukherjee & Associates
Chartered Accountants
Firm Reg No. 10603N

(Jagdish chandra Sharma)
Treasurer
PLACE - DELHI
DATE 31/07/25

(Dr. Jeet Ram Bhatt)
Director

C. A. S. Mukherjee (FCA)
Partner.
M.No.87605

डॉ. गोस्वामी गिरिधारीलालशास्त्री प्राच्यविद्याप्रतिष्ठानम्

(दिल्ली सरकार)

भूखण्डसंख्या-5, झण्डेवालानम्, करोलबागः, नवदेहली-110005